04 - उपराष्ट्रपति चुनाव में छिपे भावी राजनीति के संकेत

05 - विनय और शील का संयोजन ही अपराजिता कहलाता है

06 - जलस्तर को बरकरार रखने कटेंगे नीलगिरी के पेड़

07 - विकास परियोजनाओं में आवश्यक अनुमतियां और...

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 349, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

ट्रंप टैरिफ का असर घटाने भारत को जरूरत है इन सुधारों की

दिलनवाज़ पाशा

अमेरिका के भारतीय निर्यात पर 50 फ़ीसदी टैरिफ़ बुधवार से लागू हो गए हैं। अमेरिकी टैरिफ़ का बड़ा असर भारत के चमड़ा उद्योग से लेकर कपड़ा उद्योग पर जल्द दिख सकता है। भारत अमेरिका को सालाना 87 अरब डॉलर का निर्यात करता है। अनुमानों के मुताबिक़ भारत का अमेरिका के लिए क़रीब 66 फ़ीसदी निर्यात इन टैरिफ़ से प्रभावित हो सकता है।

भारत अपने कुल निर्यात का 20 फ़ीसदी अमेरिका को ही करता है। विश्लेषक मानते हैं कि टैरिफ़ की वजह से भारत का निर्यात कम होगा और इससे भारतीय सामानों की मांग कम होगी और बेरोज़गारी बढ़ सकती है। वरिष्ठ अर्थशास्त्री मिताली निकोरे कहती हैं, 'चमड़ा उद्योग, कपड़ा उद्योग और ज्वैलरी उद्योग पर ट्रंप के टैरिफ़ का असर दिखने लगा है। ख़रीदार चाहते हैं कि भारत के निर्यातक इस टैरिफ़ को बर्दाश्त करें, लेकिन उनकी क्षमता इतनी नहीं हैं।' वहीं दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफ़ेसर अरुण कुमार कहते हैं, 'सिर्फ़ अमेरिका के लिए ही नहीं बल्कि बाक़ी देशों के लिए भी निर्यात पर असर हो सकता है। यानी सभी देशों का कारोबार अमेरिका के साथ कम होगा। बाक़ी देशों के पास भी सरप्लस उत्पाद होंगे, जिसे वो एक दूसरे देशों में डंप करने का प्रयास करेंगे। इससे बाक़ी देश भी टैरिफ़ बढ़ा सकते हैं।'

टैरिफ़ वार का एक पहलू ये भी है कि चीन के पास भी सरप्लस उत्पाद हैं, जिन्हें वह यूरोपीय संघ में बेचने की कोशिश कर रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारतीय उत्पादों के लिए प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। प्रोफ़ेसर अरुण कुमार कहते हैं, 'वैश्विक कारोबार में एक अनिश्चितता का माहौल है और ये सवाल है कि आगे क्या होगा। इससे निवेश की संभावनाएं भी कमज़ोर होंगी। भारत में मांग कम होने की वजह से पहले से ही निवेश कम हो रहा है। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थव्यस्था में चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।'

इस घटनाक्रम के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सरकार कई मोर्चों पर सुधार लागू करने के लिए तैयार है। इस स्थिति में, विश्लेषक इस बात पर ज़ोर दे रहे हैं कि भारत को तुरंत आर्थिक सुधारों की ज़रूरत है। मिताली निकोरे कहती हैं, 'मौजूदा स्थिति में कुछ लोगों को तुरंत मदद की ज़रूरत पड़ेगी। टैरिफ़ से प्रभावित हो रहे चमड़ा उद्योग, कपड़ा उद्योग में एमएसएमई ज़्यादा हैं, हालांकि ज्वैलरी क्षेत्र में बड़ी कंपनियां भी हैं। इन एमएसएमई को तुरंत लोन फंडिंग की ज़रूरत है, सरकार ऐसा कर सकती है।'

सरकार ने जीएसटी में सुधार के संकेत दिए हैं लेकिन विश्लेषक मानते हैं कि ये पर्याप्त नहीं होगा। मिताली निकोरे कहती हैं, 'जीएसटी का क़दम अच्छा है। लेकिन इस स्थिति में सरकार को टैक्स छूट देनी चाहिए। निर्यातकों को राहत देने के लिए सरकार को आपात फंडिंग उपलब्ध करानी चाहिए। जिन क्षेत्रों पर सबसे ज़्यादा प्रभाव पड़ रहा है सबसे पहले मदद उन्हें मिले।'

वहीं, ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव भी ज़ोर देकर कहते हैं कि मौजूदा स्थिति से निबटने के लिए भारत को तुरंत सुधार लागू करने होंगे। चीन के पास कोई ट्रेड समझौता नहीं था ना ही चीन साल 2000 से पहले डब्ल्यूटीओ का सदस्य था। लेकिन चीन सबसे ज़्यादा निर्यात कर रहा था, क्योंकि वह अच्छे और सस्ते उत्पाद बना रहा था। हमें चीन से सीखना होगा और दो तरह के सुधार करने होंगे। एक तो हमें तुरंत सुधार करने हैं ताकि उन निर्यातकों को राहत मिल सके जो टैरिफ़ की वजह से चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही हमें कुछ गहरे और व्यापक सुधारों की ज़रूरत है ताकि हमारा निर्यात बेहतर और विस्तृत हो सके।

'अजय श्रीवास्तव इस बात पर ज़ोर देते हैं कि सरकार को छोटे-मझौले उद्योगों (एमएसएमई) को ब्याज़ मुक्त क़र्ज़ देने की योजना को फिर से वापस लाना चाहिए। ज़रूरत इस बात की है कि भारतीय उत्पादक प्रतिद्वंद्विता बढ़ाएं और सस्ती दरों पर अच्छे उत्पाद बनाएं। इसके लिए उन्हें एक मददगार इकोसिस्टम की ज़रूरत है, जिसमें उन्हें सस्ती दरों पर या ब्याज मुक्त क़र्ज़ मिल सके और जीएसटी के झंझट से मुक्ति मिल सके। अगर भारतीय उत्पादक सस्ती दरों पर बेहतर उत्पाद बनाएंगे तो टैरिफ़ के बावजूद बाज़ार में उनकी मांग बनीं रहेगी।'

'भारत में एक साल पहले तक इंटरेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम थी, जिसके तहत निर्यात के लिए क़र्ज़ लेने वाले छोटे-मझौले उद्योगों (एमएसएमई) को ब्याज़ में पांच से सात प्रतिशत तक की छूट दी जाती थी। ये योजना अब फंड की कमी से जूझ रही है। ये एक कमयाब योजना थी और इसे योजना को तुरंत और पहले से बेहतर तरीक़े से वापस लाने की ज़रूरत है। इस योजना में न केवल एमएसएमई, बल्कि लार्ज और मीडियम साइज एक्सपोर्टर को भी शामिल करना चाहिए।'

विश्लेषक इस बात पर भी ज़ोर देते हैं कि भारत को प्रस्तावित जीएसटी सुधारों का दायरा बढ़ाना होगा और भारत को कुछ विस्तृत और व्यापक दीर्घकालिक सुधार करने होंगे। अजय श्रीवास्तव कहते हैं, 'जीएसटी सुधार के तहत दरों को रेशनलाइज़ करने भी अधिक करने की ज़रूरत है। आज सर्विस सेक्टर में बीस लाख तक और उत्पादन क्षेत्र के लिए 40 लाख रुपये तक के टर्नओवर में जीएसटी की छूट है। इसे बढ़ाकर कम से कम डेढ़ करोड़ तक करना होगा ताकि छोटे कारोबारियों को सीधा फ़ायदा पहुंच सके। ऐसा करने से भारत के 99 फ़ीसदी एमएसएमई जीएसटी के चंगुल से मुक्त हो जाएंगे। सरकार का राजस्व भी तीन से चार प्रतिशत तक ही कम होगा।भारत को अपने घरेलू इंजन को चालू करने की ज़रूरत है।'

भारत की अर्थव्यवस्था का एक पहलू ये भी है कि आज भी भारत में क़रीब पैंतालीस फ़ीसदी लोग कृषि क्षेत्र से जुड़े हैं और बड़ी आबादी असंगठित क्षेत्र में काम करती है। भारत को असंगठित क्षेत्र में भी सुधारों पर ज़ोर देना होगा और अपनी आंतरिक मांग को बढ़ाना होगा। प्रोफ़ेसर अरुण कुमार कहते हैं कि जीएसटी सुधार का फायदा असंगठित क्षेत्र को नहीं पहुंच पाएगा। भारतीय बाज़ार में मांग बढ़ाने के लिए सरकार को कृषि क्षेत्र में सुधार करने होंगे। किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस क़दम उठाने होंगे।

'विश्लेषक जिन सुधारों की सलाह दे रहे हैं कि सारे एक्शन- चाहे मिलिट्री एक्शन हो, चाहे आर्थिक सुधार हो – वह एक झटके में होते हैं। क्योंकि ये नियामक सुधार हैं और ये सिर्फ़ दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करने से लागू हो जाएंगे।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

● शताब्दी वर्ष में संघ प्रमुख **मोहन भागवत का बड़ा बयान**

तकनीकी शिक्षा का विरोध नहीं लेकिन संस्कृति ज्ञान भी जरूरी

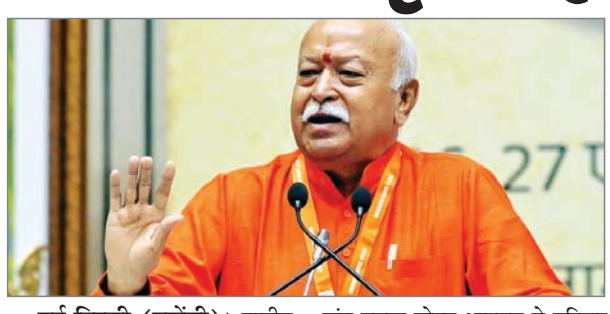

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर समझाया है कि अपने घरों में अपनी भाषा, परंपरा, वेशभूषा और संस्कृति बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी तकनीकी शिक्षा का विरोध नहीं करते। नई शिक्षा नीति लाना जरूरी था। संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर आरएसएस द्वारा 100 वर्ष की संघ यात्रा - 'नए क्षितिज' के तहत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने परिवार को एकजुट करने के तरीके भी बताए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में शामिल होकर सामाजिक एकता मजबूत होती है, साथ ही प्रेम और करुणा बढ़ती है। संघ प्रमुख ने कहा कि विवाद या भड़काऊ स्थिति में कानून हाथ में नहीं लेना चाहिए, बल्कि कानूनी व्यवस्था पर भरोसा करना चाहिए। हमारे देश की विविध संस्कृति में विभिन्न जाति, पंथ, और समुदाय के लोग रहते हैं। इन सबके बीच सौहार्द्र बनाए रखना जरूरी है।

● मंदिर, पानी और श्मशान में नहीं होना चाहिए कोई भेद

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर, पानी और श्मशान में कोई भेद नहीं होना चाहिए। उन्होंने हिंदुत्व और हिंदू विचारधारा पर भी बात की। भागवत ने कहा कि हिंदुत्व क्या है। हिंदू विचारधारा क्या है। संक्षेप में कहें तो दो शब्द हैं, सत्य और प्रेम। दुनिया एकता पर चलती है; यह सौदों से नहीं चलती, यह अनुबंधों से नहीं चलती, यह चल ही नहीं सकती। उन्होंने कहा, हिंदू राष्ट्र का जीवन-लक्ष्य क्या है। हमारा हिंदुस्तान, इसका उद्देश्य विश्व कल्याण है। विकास के क्रम में, दुनिया ने अपने भीतर खोजना बंद कर दिया... अगर हम अपने भीतर खोजेंगे, तो हमें शाश्वत सुख का स्रोत मिलेगा जो कभी मिटता नहीं। इसे पाना ही मानव जीवन का परम लक्ष्य है और इससे सभी सुखी होंगे। सभी एक-दूसरे के साथ सद्भाव से रह सकेंगे। दुनिया के कलह समाप्त हो जाएंगे। दुनिया में शांति और सुख होगा। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद भी तीसरे विश्वयुद्ध जैसी स्थिति आज दिखाई देती है।

मप्र में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण पर राजनीतिक दल साथ

अब लड़ाई श्रेय की, कांग्रेस बोली- हम लड़े, बीजेपी ने कहा- सीएम का पहले से मन था

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में समत्व भवन में सर्वदलीय बैठक संपन्न हुई। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने पर सभी राजनीतिक दल एक मत हो गए हैं। हालांकि, अब श्रेय की लड़ाई शुरू हो गई है। कांग्रेस कह रही है कि हमने लड़ाई लड़ी, इसलिए सरकार सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन याचिका पर जल्द निर्णय पर बात कर रही है। वहीं, बीजेपी का कहना है कि सीएम डॉ. मोहन यादव पहले ही मन बना चुके थे।

मुख्यमंत्री ने ओबीसी आरक्षण पर गुरुवार को सीएम हाउस में सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। बैठक के बाद उन्होंने कहा- हम सभी एकमत हैं और सभी चाहते हैं कि ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन प्रकरण में निर्णय जल्द आए, ताकि सभी बच्चों को आयु सीमा खत्म होने के पहले लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि 14 प्रतिशत क्लियर है और 13 प्रतिशत होल्ड है।

सीएम बोले- 10 सितंबर से पहले बैठक कर लें वकील

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सभी ने विधानसभा में भी अपना बात रखी थी और समर्थन दिया था। इसी पर चर्चा के लिए आज बैठे थे। सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग प्रकरण चल रहे हैं। जिनमें कोर्ट 22 सितंबर से डे-टू-डे सुनवाई करेगा। हमने सभी के एक फोरम पर आने और इसी में विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका में शामिल होकर इसे क्रियान्वित करने के समुचित प्रयास करने का संकल्प पारित किया है। यह भी तय किया है कि इस मामले से जुड़े सभी वकील 10 सितंबर से पहले सामूहिक रूप से बैठकर बात कर लें। हम चाहते हैं कि 13 प्रतिशत होल्ड आरक्षण पर कोर्ट जल्दी से जल्दी निर्णय देता है तो ऐज लिमिट से बाहर हो रहे 13 प्रतिशत अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ मिल जाए। कई विभागों में भर्ती की है लेकिन अब एक भी बच्चा बच न पाए, ये सभी दलों की भावना है।

बीजेपी: सांसद बोले- कानून पर स्टे नहीं

बैठक में बीजेपी सांसद गणेश सिंह ने कहा- सिर्फ एक ही मामले में एडीपीओ वाली पोस्ट पर स्टे है। बाकी किसी मामले में कोई स्टे नहीं है। कानून पर भी स्टे नहीं है तो इसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा? इस पर मुख्य सचिव अनुराग जैन और बैठक से वर्चुअली जुड़े महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा- एडीपीओ की पोस्ट के लिए जो विज्ञापन जारी हुआ था, उसमें रोस्टर को भी कोर्ट में चैलेंज किया गया था। रोस्टर पर भी स्टे है इसलिए हम 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का क्रियान्वयन नहीं कर पा रहे हैं।

कांग्रेस- सरकार की कथनी और करनी में अंतर

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, सांसद अशोक सिंह, कमलेश्वर पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि आज की बैठक खोदा पहाड़ निकली चुहिया जैसी थी।सिंघार बोले- कांग्रेस और भाजपा के वकील साथ में बैठने तैयार हैं। सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। कांग्रेस के बनाए घर में नारियल फोड़कर श्रेय लेना चाहते हैं। किसी के हित की बात हो तो राजनीति नहीं करनी चाहिए।

आरक्षण दिलाने की जिम्मेदारी सरकार की

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने बैठक के बाद कहा- 27 प्रतिशत आरक्षण सालों से पेंडिंग था। 2019 में हम सरकार में आए और उसे लागू किया। 2003 से 2025 के बीच भाजपा के 4 मुख्यमंत्री बने। किसी ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया क्योंकि नीयत में खोट था।बैठक में फैसला हुआ है कि पिछड़ों का हक 27 प्रतिशत आरक्षण उन्हें दिलाएं।

जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी मताधिकार नहीं छीनने दूंगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वे किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। भाजपा बंगालियों पर भाषायी आतंक फैला रही है। बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम हटाने के मकसद से करवाए जा रहे सर्वे के लिए दूसरे राज्यों से 500 से ज्यादा टीमें बंगाल में भेजी हैं। ममता ने कहा- लेकिन जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। आप खुद जांच करें कि आपका नाम अभी भी लिस्ट में है या नहीं। ममता कोलकाता में तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के स्थापना दिवस पर बोल रही थीं। पश्चिम बंगाल सीएम ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है लेकिन उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीनों के लिए है, पूरे साल के लिए नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। ममता बोलीं- अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं।

सुप्रभात

किसी की मन्नत की गांठ भी नहीं थी,
न किसी के ख़्वाबों की कोई बुनावट में थी।
किसी ने पुरज़ोर कोशिश भी न की,
बस जो मिला-उसे ख्वाहिश कह दिया।
कभी लगा, शायद मैंने ज़्यादा मांग लिया,
कभी लगा, यह किरदार
मेरा हक़दार कहा गया।
शब्दों और भावों की भीड़ में,
सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक
सहमति की दीवारें खड़ी थीं।
बस विरोध था, अव्यक्त क्षोभ का क्षण था,
किस्से और तमाशे थे- जमाने भर के।
पर असल चुनाव तो बस
जीवन-बसर का होता है-
क्योंकि जीने की समझ जब तक आती है,
जीवन का वक्त आधा बीत चुका होता है।
तब न अहम रह जाता है,
न संबंधों में प्रश्न शेष रहता है।
सिर्फ़ एक पुकार-
स्वयं को स्वीकार कीजिए।
बहुत उम्र बीत गई परतंत्रता में,
अब प्रतीक्षा में स्वयं को व्यर्थ मत कीजिए।
जहां आपकी अस्मिता आहत हो-
वहां खुद को साबित करना
कभी सार्थक नहीं होता।

- अञ्जू प्रिया

बाढ़-बारिश का कहर, पंजाब के 150 गांव जलमग्न

● सात जिलों में भीषण बाढ़, सेना पहुंची, रावी और ब्यास का कहर ● एम्फीबियस गाड़ियों से रेस्क्यू, जमीन-पानी दोनों पर चल सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में बारिश के कारण 7 जिले और 150 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। रावी-ब्यास और सतलुज नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। राज्य में 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद हैं। राज्य के अजनाला में रेस्क्यू ऑपरेशन की जिम्मेदारी सेना ने संभाल ली है। इस दौरान एम्फीबियस गाड़ियों से लोगों को निकाला जा रहा है। इनकी विशेषता है कि ये जमीन और पानी दोनों पर चलने में सक्षम हैं। जम्मू-कश्मीर में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 41 लोगों की मौत हो गई। जम्मू में झेलम और दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके चलते निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण जनजीवन बेहाल है। बुधवार रात कई जगह भारी बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई है। राज्य के 3 जिलों में 2000 से ज्यादा टूरिस्ट फंसे हैं। राज्य में बाढ़ और बारिश की घटनाओं में अब तक 310 लोगों की मौत हो चुकी है। 369 लोग घायल हैं और 38 लापता हैं। 1240 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। इनमें 331 घर पूरी तरह से टूट चुके हैं। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे (एनएच-44) लगातार दूसरे दिन भी पूरी तरह से बंद रहा। हाईवे का एक हिस्सा बारिश के कारण बह गया है। मरम्मत का काम जारी है। जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए रेलवे ने जम्मू-दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई।

जम्मू में झेलम और दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर

जम्मू-पठानकोट में भारी बारिश से जम्मू संभाग में रेल सर्विस प्रभावित हुई है। रेलवे ट्रैक और पुल बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। जिससे सैकड़ों यात्री जम्मू रेलवे स्टेशन पर फंसे हुए हैं। कटरा होटल एसोसिएशन ने गुरुवार को घोषणा की है कि वे वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन के बाद फंसे तीर्थयात्रियों को मुफ्त आवास प्रदान करेंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अब साइबर और स्पेस में एक साथ होगा प्रहार

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय सेना के जल, थल और नभ के कम्युनिकेशन एवं रडार सिस्टम अब एक साथ मिलकर दुश्मन का सामना करेंगे। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने इस दिशा में एक संयुक्त सैन्य सिद्धांत (डाक्ट्रिन) तैयार किया है, जो साइबर, स्पेस, इलेक्ट्रानिक वारफेयर और ड्रोन के माध्यम से दुश्मन को चुनौती देने के लिए है। महू वॉर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय रण संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल

चौहान ने इस डाक्ट्रिन को जारी किया। इस डाक्ट्रिन के तहत विशेष बलों और एयर बोर्न व हेली बोर्न संचालन के लिए भी संयुक्त सिद्धांत जारी किए गए हैं। इसके अनुसार, एयर बोर्न और हेली बोर्न यूनिट अब मल्टी मॉडल डोमेन पर संयुक्त रूप से कार्य करेंगी। सेना के अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद मल्टी डोमेन ऑपरेशन की आवश्यकता को देखते हुए यह डाक्ट्रिन तैयार की गई है।

राष्ट्रपति-राज्यपाल अपने फैसलों के लिए कोर्ट में जवाबदेह नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल की विधानसभा से पास बिलों पर कार्रवाई के खिलाफ राज्य सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन दायर नहीं कर सकते। केंद्र ने कहा कि राज्य सरकारें अनुच्छेद 32 का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं। क्योंकि मौलिक अधिकार आम नागरिकों के लिए होते हैं, राज्यों के लिए नहीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि

राष्ट्रपति जानना चाहती हैं कि क्या राज्यों को ऐसा अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि अनुच्छेद 361 के अनुसार राष्ट्रपति और राज्यपाल अपने फैसलों के लिए कोर्ट में जवाबदेह नहीं होते। केंद्र ने तर्क दिया कि कोर्ट राष्ट्रपति या राज्यपाल को कोई निर्देश नहीं दे सकती क्योंकि उनके फैसले न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। वहीं, कोर्ट ने कहा कि यदि कोई राज्यपाल छह महीने तक बिल लंबित रखता है तो यह भी सही नहीं है। पांच जजों की बेंच ने बिलों पर डेडलाइन लागू की थी।

ट्रम्प के सलाहकार ने यूक्रेन जंग को 'मोदी वॉर' बताया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने यूक्रेन जंग को 'मोदी वॉर' बताया है। नवारो ने बुधवार को ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में भारत पर जंग को बढ़ावा देने और दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया। नवारो ने कहा कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग

के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया। और रूस जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं। नवारो ने कहा, भारतीय नेता हमारी आंखों में आंखें डालकर कहते हैं कि हम रूसी तेल खरीदना बंद नहीं करेंगे। अब इसका क्या मतलब है।

मोदी और जिनपिंग की मुलाकात की डेट फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मीटिंग की डेट फाइनल हो गई है। दोनों नेता रविवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक करेंगे। जापान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के बाद पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति शी के निमंत्रण पर चीन में होंगे। माना जा रहा है कि इस द्विपक्षीय वार्ता में ट्रंप टैरिफ पर भी बात होने की संभावना है। एससीओ समिट से इतर दोनों नेताओं की मुलाकात 31 अगस्त को होगी। यह पिछले सात वर्षों में पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी और जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच गलवान

घाटी में हुए टकराव के बाद पहली यात्रा होगी। दोनों नेताओं ने 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर एक बैठक की थी। भारत और चीन के बीच चार साल से चल रहे सीमा टकराव को समाप्त करने के लिए लगभग 3500 किलोमीटर लंबी एलएसी पर गश्त करने के समझौते के बाद द्विपक्षीय वार्ता में सफलता संभव हुई। 21 अगस्त को भारत में चीन के राजदूत जू फीहोंग ने कहा कि एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी तैयार हैं।

सिनर्जी संस्था का युवा सम्मेलन आज से

भोपाल। सिनर्ज़ी संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'युवा आगाज़ – युवा आवाज़ मध्यप्रदेश युवा सम्मेलन 2025' का आयोजन 29 और 30 अगस्त को रवींद्र भवन में होगा। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 300 से अधिक प्रतिभागी जुटेंगे। 70 से अधिक वक्ता 12 से अधिक युवाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे, जिनमें रोज़गार और उद्यमिता, लैंगिक समानता, डिजिटल दुनिया, जलवायु संकट, लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी, मानसिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्थलों का पुनर्निर्माण और सामाजिक परिवर्तन में युवाओं की भूमिका जैसे मुद्दे प्रमुख हैं।

उद्घाटन सत्र में विश्वास कैलाश सारंग (खेल मंत्री), जॉन किंग्सली (आईएएस), अनिल गुलाटी (यूनिसेफ), सुनील जैकब (यूएनएफपीए), और प्रतिभा श्रीवास्तव (डब्ल्यूएचएच) उपस्थित रहेंगे।विशेष आकर्षण के रूप में 'युवा अभिव्यक्ति सांस्कृतिक संध्या' आयोजित की जाएगी, जिसमें मुंबई से आए लोकप्रिय गायक और कवि कविश सेठ सहित विभिन्न कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे।

आतंकी अलर्ट के बाद वोटर अधिकार यात्रा में बदलाव

सीतामढ़ी (एजेंसी)। आतंकी अलर्ट के बाद राहुल गांधी की यात्रा में बदलाव किया गया है। सीतामढ़ी में वे जिस कैंप में रुके थे वहां से सीधे जानकी मंदिर पहुंचे। यहां कई जगहों पर स्वागत मंच बनाए गए थे, लेकिन राहुल वहां नहीं रुके। मंदिर में दर्शन के बाद राहुल गांधी का रोड शो भी था, लेकिन वो कैंसिल कर दिया गया। राहुल गांधी अब ओपन जीप की जगह बंद गाड़ी से मोतिहारी के ढाका पहुंचे। राहुल गांधी को यहां 12 बजे पहुंचना था, लेकिन वो 11 बजे ही पहुंच गए। रास्ते में उन्होंने बंद गाड़ी से ही लोगों से मुलाकात की। फिलहाल वे अभी सिटी होटल में

● मोतिहारी में बंद गाड़ी में लोगों से मिले राहुल, सुरक्षा भी बढ़ाई गई

ठहरे हैं। शाम 4 बजे वे यात्रा की शुरुआत आजाद चौक से करेंगे। वोटर अधिकार यात्रा के 12वें दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीतामढ़ी के रीगा चौक पर जनसभा की। उन्होंने कहा, ये सिर्फ वोटर अधिकार यात्रा नहीं है। ये आपके अधिकार की यात्रा है। लोकसभा चुनाव के बाद एक करोड़ नए वोटर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जुड़ गए। महाराष्ट्र में हमें उतने ही वोट मिले, जितने लोकसभा मे मिले थे, लेकिन जहां नए वोटर आए, वहां बीजेपी की जीत हुई। राहुल ने कहा, अभी सिर्फ वोट चोरी हो रही है। वोट चोरी के बाद आपका राशन कार्ड और जमीन छीना जाएगा। उन्होंने भाषण के अंत में कहा कि बिहारियों की राजनीतिक समझ का कोई मुकाबला नहीं। वहीं, राहुल गांधी के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाने में शिकायत की गई है। बीजेपी सदस्य कृष्ण सिंह कल्लू ने राहुल पर पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का आरोप लगाया है।

अनुराग जैन बने रहेंगे मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव

एक साल का मिला एक्सटेंशन, आदेश जारी, 31 अगस्त को खत्म हो रहा था कार्यकाल

भोपाल (नप्र)। 31 अगस्त को रिटायर हो रहे मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल का एक्सटेंशन मिला है। जैन को एक्सटेंशन मिलना पहले से ही तय माना जा रहा था जिसके लिए केंद्रीय कार्मिक प्रशिक्षण मंत्रालय ने आदेश जारी कर दिए हैं। जैन को एक्सटेंशन मिलने के बाद इस पद के लिए दावेदारी कर रहे डॉ राजेश राजौरा, अशोक बर्णवाल समेत अन्य अपर मुख्य सचिव स्तर के अफसरों को अब तीन माह तक इंतजार करना पड़ेगा।शिवराज के कार्यकाल में इकबाल को दो बार मिला था एक्सटेंशन, वीरा राणा को भी मिला था मौका। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में इकबाल सिंह बैंस को केंद्र सरकार ने दो बार एक्सटेंशन दिया था। छह-छह माह के दो बार के एक्सटेंशन के चलते बैंस 2022 में रिटायर होने के बाद नवम्बर 2023 तक सेवा में रहे थे। इसके बाद विधानसभा चुनाव आचार संहिता के चलते एक दिसम्बर से चुनाव आयोग द्वारा सीनियर आईएएस वीरा राणा को चीफ सेक्रेट्री बनाने की सहमति दी गई थी। राणा को चीफ सेक्रेट्री बनाए रखने का फैसला मुख्यमंत्री बने डॉ मोहन यादव ने बरकरार रखा था और इसके बाद उनकी पहल पर राणा को छह माह का एक्सटेंशन भी मिला था और वे 30 सितम्बर 2024 को रिटायर हुई थीं।

धार प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष नीतिराज सिंह सिकरवार की माताजी का निधन

पत्रकार जगत सहित धार के गणमान्य नागरिकों ने दी श्रद्धांजलि

धार। प्रभात किरण धार के वरिष्ठ पत्रकार, धार प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष नीतिराज सिंह सिकरवार, गुड्डू सिकरवार, पत्रकार देवराजसिंह सिकरवार, सिकरवार बस सर्विस की पूज्य माताजी गिरीश कुमारी सिकरवार का लंबे समय तक उपचार के दौरान 26 अगस्त को इंदौर में 89 वर्ष की आयु में निधन गया। 27 अगस्त को देवीजी मुक्तिधाम धार में अंतिम संस्कार हुआ। गिरीश कुमारी सिकरवार स्वास्थ्य विभाग में जिला मलेरिया अधिकारी रहे स्व. महाराजसिंह सिकरवार की धर्मपत्नी थी। शवयात्रा में शहर के गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, बस आपरेटर एसोसिएशन सहित अनेक लोग शामिल हुए।

मुक्तिधाम में आयोजित शोकसभा में वरिष्ठ समाजसेवी समंदरसिंह पटेल, जाट समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एड. लीलाधर दांदक, सर्व ब्राह्मण समाज धार के जिलाध्यक्ष विश्वास पांडे, कार्यकारी जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी, वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, आनंद दीक्षित, नई दुनिया के वरिष्ठ पत्रकार प्रेम विजय पाटिल, धीरेन्द्र दीघे, मुन्ना व्यास, प्रकृति वात्सल्य गौशाला उपाध्यक्ष डॉ. तरूण जोशी, रवि अय्यर, पूर्व पार्षद आकाश सोनी, न्यायालय के प्रवीण पाण्डे, स्वास्थ्य विभाग के प्रवीण सत्वासकर, उद्योगपति नवीन गर्ग, लालू यादव, कमल बोरीवाल, व्यवसायी निलेश जोशी, बस व्यावसायिकगण राम सिंह वर्मा, हरिओम मालवीय गंधवानी, रवि राठौड़ मनावर, अतीक अहमद मनावर, सहित शहर के गणमान्य नागरिकों ने माताजी गिरीश कुमारी सिकरवार को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

324 जिलों के 1 लाख गांवों की बदलेगी तस्वीर

● आदिवासियों के लिए बहुत खास है मोदी सरकार का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार एक जनजातीय आउटरीच कार्यक्रम शुरू कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 1 लाख आदिवासी गांवों को सशक्त बनाना है। इसके तहत ग्रामीण अपनी पंचवर्षीय विकास योजनाएं स्वयं तैयार करेंगे। इसके लिए 20 लाख अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि सरकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंचें। प्रत्येक गांव में आदि सेवा केंद्र स्थापित होंगे, जो शिकायतों का समाधान और जानकारी प्रदान करेंगे। इस योजना के तहत 2 अक्टूबर तक करीब 1 लाख आदिवासी गांव

अपनी पंचवर्षीय विकास योजनाएं तैयार करेंगे। इस पहल का लक्ष्य सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है। यह 20 लाख अधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ शुरू होगी, फिर ग्रामीणों को विकास योजनाएं बनाने, सभी सरकारी योजनाओं को शामिल करने और प्रत्येक गांव में शिकायत निवारण के लिए एकल-खिड़की केंद्र स्थापित करने में शामिल किया जाएगा। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने आदि कर्मयोगी अभियान के तहत गांवों की पहचान की है।

'सिंदूर' ने संतोष और 'महादेव' ने देशवासियों को आत्मविश्वास दिया

● शाह बोले-दोनों ऑपरेशन से सुरक्षाबलों का आतंकियों को सख्त संदेश ● कहा-भारतीय नागरिकों की जान से खेलने की कीमत बहुत भारी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा- सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के जरिए पाकिस्तान और उसके समर्थित आतंकियों को सख्त संदेश दिया है कि भारतीय नागरिकों की जान से खेलने की कीमत बहुत भारी होगी। शाह दिल्ली में ऑपरेशन महादेव में शामिल भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों और अफसरों से मिले और उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर से देशवासियों में संतोष पैदा हुआ, जबकि ऑपरेशन महादेव ने इसे आत्मविश्वास में बदल दिया। हमारे सुरक्षा बलों ने साबित कर दिया कि चाहे आतंकी कितनी भी चाल बदल लें, अब वे भारत को नुकसान पहुंचाकर बच नहीं सकते। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में जैश-ए-मोहम्मद व लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों को निशाना बनाया था, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

बिहार में नेपाल के रास्ते 3 पाकिस्तानी आतंकियों की घुसपैठ

पटना (एजेंसी)। बिहार में नेपाल के रास्ते 3 पाकिस्तानी आतंकियों ने घुसपैठ की है। पुलिस मुख्यालय ने तीनों की फोटो रिलीज की हैं। सभी के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की खबर है। पुलिस ने जिन आतंकियों की फोटो जारी की है, उनके नाम हसनैन अली, आदिल हुसैन और मोहम्मद उस्मान हैं। हसनैन रावलपिंडी, आदिल उमरकोट और उस्मान बहावलपुर का रहने वाला है आतंकियों के अररिया जिले से बिहार में घुसने की आशंका जताई गई है। पुलिस हेडक्वार्टर ने सभी जिलों को खुफिया तंत्र को ऐक्टिव रखने, इनपुट जुटाने और संदिग्धों पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया है।

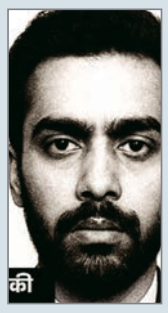

संभल में आजादी से पहले 45 फीसदी हिंदू, अब बचे 15 !

● न्यायिक आयोग ने सीएम योगी को सौंपी 450 पन्नों की रिपोर्ट

संभल (एजेंसी)। यूपी के संभल में पिछले साल हुई हिंसा के मामले में गठित न्यायिक आयोग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 450 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी है। इसमें 24 नवंबर, 2024 को मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा और संभल के इतिहास में हुए दंगों का विवरण है। साथ ही क्षेत्र में जनसांख्यिकी बदलाव का भी उल्लेख है, जिसमें हिंदुओं की आबादी में कमी और आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों का जिक्र है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के

मुताबिक, इस रिपोर्ट में डेमोग्राफी बदलाव का भी जिक्र किया गया है। बताया गया कि कभी 45 फीसदी यहां हिंदू थे, जो आज घटकर 15 से 20 फीसदी ही रह गए हैं। इस रिपोर्ट में न सिर्फ 24 नवंबर को हुई हिंसा के बारे में बताया गया है, बल्कि संभल के इतिहास में कब-कब कितने दंगे हुए, उन दंगों में क्या-क्या हुआ आदि के बारे में भी विस्तार से लिखा गया है।

गणित में विष्णुवर्ष, शिववर्ष, कॉमर्स में वेद, उपनिषद के एथिक्स

● यूजी कोर्सेज में पंचांग, काल गणना शामिल करने की सिफारिश ● यूजी ड्राफ्ट करिकुलम पर बवाल, स्टूडेंट और टीचर दोनों नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने 20 अगस्त 2025 को अपना नया लर्निंग बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें स्नातक के 9 विषयों के लिए माइथोलॉजी और भारतीय इतिहास से जुड़े टॉपिक्स शामिल हैं। इस ड्राफ्ट में मैथ्स, केमिस्ट्री, कॉमर्स जैसे विषयों में भारतीय इतिहास, कालगणना और बीजगणित जैसे टॉपिक्स को जोड़ने का सुझाव दिया गया है। यूजीसी ने 20 सितंबर तक करिकुलम ड्राफ्ट पर गूगल फॉर्म के जरिए राय मांगी है, जिसके बाद इसे लागू किया जाएगा। इस ड्राफ्ट को लेकर कई स्टूडेंट और टीचर्स ग्रुप्स ने नाराजगी जताई है। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी एसएफआई ने इस ड्राफ्ट के विरोध में 25 से 27 अगस्त तक तीन दिवस आंदोलन का ऐलान भी किया। नए ड्राफ्ट के मुताबिक, गणित के अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स सूर्य सिद्धांत के जरिए युग

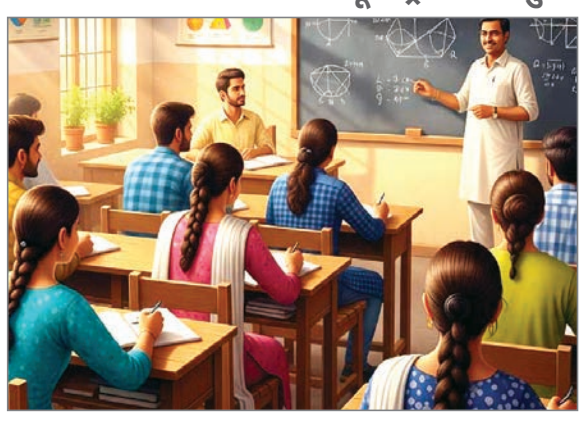

और कल्प के बारे में पढ़ेंगे, साथ ही विष्णु वर्ष और शिव वर्ष जैसे दिव्य समय चक्र समझेंगे। इसके अलावा सूत्रों मे अंक गणना, काल गणना, शुल्ब सूत्रों से ज्यामिति, परावर्त्य योजयात सूत्र, पंचांग [भारतीय कैलेंडर] और मुहूर्त देखना सिखाया जाएगा। वहीं, कॉमर्स में भगवत गीता और रामायण से भारतीय मैनेजमेंट के सिद्धांत, मारवाड़ी बनियास और गुजरातियों के बिजनेस मॉडल के साथ वेदों उपनिषदों पुराणों से एथिक्स भी बताएंगे। इस ड्राफ्ट पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षाविदों से 20 सितंबर तक फीडबैक मांगा गया है। ये कोर्स का हिस्सा कब से बनेंगे, इसे लेकर अभी तक यूजीसी ने कोई जानकारी नहीं दी है। यूजीसी का कहना है कि ये करिकुलम इनोवेशन को बढावा देगा और एक आदर्श पाठ्यक्रम के रूप में काम करेगा। स्टूडेंट्स ग्रुप 'स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया' ने प्रेस रिलीज के माध्यम

से इस ड्राफ्ट के विरोध में 3 दिन के आंदोलन का ऐलान किया था। इस दौरान देश भर में यूजीसी कार्यालयों और केंद्रों तक मार्च किया गया और कुलपति को इसके विरोध में मांग पत्र भी भेजे गए। इस ड्राफ्ट को लेकर कहना है,शिक्षा के जरिए संघ का एजेंडा चलाया जा रहा है, केमिस्ट्री की शुरुआत सरस्वती नमस्कार से की गई है, वही कॉमर्स में कौटिल्य अर्थशास्त्र को जोड़ा गया है।

भाकपा का तीन दिनी राज्य सम्मेलन डबरा में आज से

भोपाल । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश का 21 वा राज्य सम्मेलन 29 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक कॉम शिव मोहन सिंह राजपूत नगर बालाजी गार्डन ठाकुर बाबा रोड डबरा जिला ग्वालियर में आयोजित होने जा रहा है, सम्मेलन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड डॉ. गिरीश शर्मा एवं कॉम के नारायण राष्ट्रीय सचिव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगेद्य भाकपा के राज्य सचिव कॉमरेड अरविन्द श्रीवास्तव, सहायक सचिव कॉमरेड हरिद्वार सिंह ,कॉमरेड शैलेन्द्र शैली एवं राज्य के अन्य नेतृत्वकारी सदस्य एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुने गए लगभग 200 प्रतिनिधि राज्य सम्मेलन में शामिल होंगे ।

राज्य सम्मेलन के अवसर पर डबरा में एक विशाल रैली 29 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे डबरा शुगर मिल गेट से निकाली जाएगी जो शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई बालाजी गार्डन पहुंचकर पार्टी झंडा ध्वजारोहण कर सभा होगी। उसके पश्चात प्रांतीय प्रतिनिधियो का विभिन्न सत्रों में महत्वपूर्ण विचार विमर्श कर नई राज्य परिषद व पदाधिकारी का निर्वाचन होगा ।

मोहल्ले में रहने वाले युवक ने युवती से रेप किया

भोपाल में शादी का वादा कर संबंध बनाए थे, वादा पूरा करने कहा तो भाग गया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में रहने वाली युवती की दोस्ती मोहल्ले में रहने वाले युवक से हो गई। कुछ समय बाद दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हुआ। आरोपी ने जल्द शादी का झांसा देकर कई बार पीड़िता के साथ रेप किया। जब लड़की ने शादी करने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने उससे हर तरह का संपर्क खत्म कर दिया।

गुपचुप तरीके से पीड़िता के मोहल्ले से मकान भी खाली कर चला गया। बुधवार की रात को थाने पहुंची पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शिकायत दर्ज की। आरोपी की अभी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

पुलिस ने बताया कि 21 वर्षीय पीड़िता गोविंदपुरा इलाके की एक बस्ती में रहती है। उसके मोहल्ले में ही रोहित दांगी नाम का युवक किराए के मकान में रहता था। एक ही इलाके में रहने के कारण पहले तो दोनों के बीच दोस्ती हुई बाद में प्रेम-प्रसंग हो गया।

जनवरी 2025 में एक दिन रोहित ने युवती को अपने किराए के कमरे पर बुलाया। यहां पर उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। बाद में उसने युवती को शादी करने का झांसा दिया और शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया।

आरोपी ने युवती का गर्भपात भी कराया

युवती गर्भवती हो गई तो रोहित ने गोली खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया। युवती जब भी शादी की बात करती तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टाल देता था। पिछले दिनों युवती ने जब शादी करने का दबाव डाला तो उसने शादी करने से मना कर दिया और किराए का मकान खाली कर भाग निकला। भोपाल में प्राइवेट नौकरी करता था आरोपी युवती ने बुधवार को मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने रोहित के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। शुरूआती तौर पर पता चला है कि रोहित रायसेन जिले का रहने वाला है। वह यहां पर प्राइवेट नौकरी करता था।

वैष्णो देवी भूस्खलन में एमपी के दो लोगों की मौत

मंदसौर के सात श्रद्धालुओं में से 3 घायल; 40 घंटे बाद मिले दो लापता

मंदसौर (नप्र)। जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में जान गंवाने वालों में मंदसौर जिले के दो ग्रामीण भी शामिल हैं। तीन अन्य घायल हैं। हादसे में लापता दो लोग करीब 40 घंटे की सर्चिंग के बाद गुरुवार को सुरक्षित मिल गए हैं।

26 अगस्त को दोपहर 3 बजे हुए अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुए हादसे में अब तक 34 लोगों की मौतों की पुष्टि हुई है।बता दें कि मंदसौर जिले में मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भीलखेड़ी गांव से सात श्रद्धालु वैष्णो देवी दर्शन के लिए गए थे। फकीरचंद गुर्जर (50), उनकी पत्नी सोहन बाई (47), रतन बाई (65), देवीलाल (45), ममता (30), परमानंद (29) और अर्जुन (28) 23 अगस्त को पिपलिया मंडी रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा जम्मू निकले थे। इनमें से फकीरचंद और रतन बाई की भूस्खलन में मौत हो गई है। सोहन बाई, देवीलाल और ममता घायल हैं। कटरा के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। परमानंद और अर्जुन लापता थे, जो गुरुवार सुबह मिल गए।

राजधानी में माता ऋद्धि के साथ विराजे भगवान गणेश

शिवलिंग और मां पार्वती के साथ भी नजर आए; पांडालों में विराजित हुईं खास गणेश प्रतिमाएं

भोपाल (नप्र)। भोपाल में गणेशोत्सव की धूम है। गली-मोहल्लों से लेकर चौराहों और बाजारों तक गणेश प्रतिमाएं स्थापित हो चुकी हैं। इस बार पंडालों में एक से बढ़कर एक झांकियां देखने को मिल रही हैं, कहीं भगवान गणेश माता ऋद्धि-सिद्धि के साथ विराजमान हैं, तो कहीं गजानन परिवार सहित शिवलिंग और मां पार्वती के साथ नजर आ रहे हैं।

किसी पंडाल में बर्फ के पहाड़ों के बीच बप्पा की स्थापना की गई है, तो कहीं संकरी गलियों में रंग-बिरंगे पंडाल भक्तों को आकर्षित कर रहे हैं।

भगवान गणेश के साथ माता ऋद्धि भी विराजमान

प्रभात पेट्रोल पंप से आगे परिहार चौराहे के पास भगवान गणेश जोड़े से बिराजे हैं। उनकी प्रतिमा के साथ माता ऋद्धि की भी स्थापना की गई है। श्री बजरंग गणेश उत्सव समिति के आयोजकों ने बताया कि भगवान गणेश की ऐसी मूर्ति स्थापित करने की पीछे कारण ये है कि रास्ते से गुजरने वाले लोगों का ध्यान आकर्षित किया जा सके।

खासकर बच्चों के मन में बप्पा के दस-दिवसीय उत्सव के बारे में जानने की इच्छा हो।

आयोजक दीपांशु शर्मा ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ पिछले 7 सालों से मूर्ति की स्थापना कर रहे हैं।

परिवार साथ लाए गजानन

अशोका गार्डन सेक्टर ए में गणेश जी की मूर्ति के साथ शिवलिंग और माता-पार्वती भी हैं। पंडित शिवनारायण पुरोहित ने मूर्ति का महत्व बताते हुए कहा कि भक्तों का सौभाग्य है जो भगवान गणेश अपना परिवार साथ लेकर बिराजे हैं। भक्त उनके साथ उनके माता-पिता गौरीशंकर की भी आराधना कर पाएंगे। शिव शक्ति गणेश उत्सव समिति पिछले 20 सालों से अपने क्षेत्र में गणेशोत्सव का आयोजन कर रही है।

बर्फ के पहाड़ों के बीच बप्पा की स्थापना

बप्पा का एक बड़ा ही अलौकिक पांडाल अशोका गार्डन सब्जी मंडी में भी सजा है। यहां बर्फ के पहाड़ों के बीच भगवान गणेश की स्थापना की गई है। मूर्ति को आभूषणों से सजाया गया है। नवयुवक फुटकर विक्रेता गणेश उत्सव समिति के रामनाथ चौहान ने बताया कि क्षेत्र की सबसे बड़ी मूर्ति हमारे ही पांडाल में रखती है। हम पिछले 12 साल से यह पर्व धूमधाम से मना रहे हैं। अनंत चतुर्दशी पर यहां विशाल भंडारा भी होगा, जिसमें लगभग 5 हजार भक्त शामिल होंगे।

संकरी गलियों में भी सजे पांडाल

चौराहे और बड़े पांडाल तो ठीक हैं, भक्तों ने गली-मोहल्लों में भी गणेश जी की मूर्ति स्थापित की है। सरस्वती स्कूल, परिहार चौराहे के पास ऐसा ही एक छोटा सा पांडाल सजा है, जहां गजानंद की सुंदर मूर्ति रखी गई है। गली संकरी होने के बाद भी भक्तों ने इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि 10 दिनों तक लोगों को आवाजाही में कोई कठिनाई न हो। स्थानीय लोग पिछले 3 साल से इसी स्थान पर मूर्ति रख रहे हैं।

पिछले 50 सालों से कर रहे बप्पा की स्थापना

बाबा चौराहा, अशोका गार्डन पर पिछले 50 सालों से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। इस बार यहां गणेश जी के साथ भगवान शिव भी नजर आ रहे हैं। भगवान गणेश एकदंत रूप में सिंहासन पर बैठे हैं और उनके पीछे भोलेनाथ की मूर्ति दिखाई दे रही है।

समिति अध्यक्ष आकाश सोनी ने बताया कि हम हर साल झांकी की साज-सज्जा पर विशेष ध्यान देते हैं। गणेशोत्सव के साथ-साथ नवरात्रि पर्व भी यहां धूम-धाम से मनाया जाता है।

अनोखी गणेश प्रतिमा, मूषक कर रहे पहरेदारी

सेक्टर-ए की गलियों में एक और पांडाल है, जहां भगवान की मूर्ति के आगे दो पहरेदार भी खड़े दिख रहे हैं। ये पहरेदार और कोई नहीं। बल्कि भगवान गणेश की सवारी कहे जाने वाले मूषक ही हैं। आयोजकों का कहना है कि हमारी गली में भले ही जगह की थोड़ी कमी है। लेकिन, हम बप्पा की सेवा और उनकी भक्ति में कोई कमी नहीं होने देंगे।

तकनीकी ज्ञान एवं नवाचार से ही भारत बनेगा विश्वगुरू: मंत्री श्री टेटवाल

आईआईआईटी-2025 बैच का दीक्षारंभ समारोह

भोपाल (नप्र)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा है कि दीक्षारंभ केवल शिक्षा का औपचारिक आरंभ नहीं है, बल्कि यह वह क्षण है जब विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल के माध्यम से समाज व राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की दिशा में कदम बढ़ाते हैं। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना या रोजगार नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण का माध्यम होना चाहिए। राज्यमंत्री श्री टेटवाल ने मैनिट परिसर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) 2025 बैच के दीक्षारंभ समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित किया।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि आज भारत सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियान युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने की हिम्मत दे रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईआईआईटी-2025 बैच के विद्यार्थी इस बदलते दौर में अपनी पहचान बनाकर प्रदेश और देश का नाम रौशन करेंगे।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि इस संस्थान से 'ऑपरेशन सिंदूर' की नेतृत्वकर्ता विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरेशी जैसे प्रतिभाशाली चरित्र निकलकर आएं, जो अपने योगदान से राष्ट्र को नई दिशा दें। अंतरिक्ष के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाले शुभांशु शुक्ला का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आईआईआईटी-2025 बैच के विद्यार्थी भी इसी तरह वैश्विक स्तर पर अपनी उपलब्धियों से देश का नाम रौशन करें।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश शिक्षा की दृष्टि से ऐतिहासिक परंपरा वाला प्रदेश है। उज्जैन का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वहाँ संदीपनी आश्रम से लेकर कृष्ण जैसे महान शिक्षार्थी और विद्वान निकले, जिन्होंने इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, इतिहास और ज्योतिष जैसे क्षेत्रों में अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उज्जैन सदियों से शिक्षा का बड़ा केंद्र रहा है। उन्होंने देश के कई राज्यों से आये विद्यार्थियों का भोजताल और तालाबों की नगरी भोपाल में स्वागत किया।

मंत्री श्री टेटवाल ने गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि 'कर्म में कौशल ही योग है' और यही उत्कृष्टता जीवन को सार्थक बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक स्वरूप वही है, जो व्यक्ति में अनुशासन, समर्पण और जिम्मेदारी की भावना जगाए। विद्यार्थियों ने मंत्री श्री टेटवाल से संवाद किया और कई प्रश्न पूछे, जिसका उन्होंने बहुत ही सरल तरीके से जवाब दिया। मंत्री श्री टेटवाल ने विद्यार्थियों को ग्लोबल स्किल पार्क, भोपाल का भ्रमण करने के लिये आमंत्रित भी किया। मंत्री श्री टेटवाल को प्रोफेसर्स ने संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

मंत्री श्री टेटवाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि वे अपने जीवन के इस नए अध्याय में पूरी निष्ठा और लगन के साथ आगे बढ़ें तथा भविष्य के भारत के निर्माता बनें। समारोह में आईआईआईटी-2025 बैच में 660 विद्यार्थियों ने बीटैक, 48 विद्यार्थियों ने एमटैक, 71 विद्यार्थियों ने एमसीए और 9 विद्यार्थियों ने पीएचडी के लिये एडमिशन लिया है।

रतलाम के मुख्य पोस्ट ऑफिस से 7 लाख की चोरी

तड़के ताला तोड़कर घुसा बदमाश, ग्राइंडर से काटा लॉकर; एसपी बोले- आरोपी को जल्द पकड़ेंगे

रतलाम (नप्र)। रतलाम शहर के सैलाना बस स्टैंड स्थित जिले के मुख्य डाकघर में गुरुवार तड़के बड़ी चोरी हो गई। बदमाश मुख्य कार्यालय के चैनल गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसा और लॉकर का ग्राइंडर से ताला काटकर करीब 7 लाख रुपए नकदी चुराकर फरार हो गया। रात में चौकीदार भी था। लेकिन वह सो गया था। चोरी के बाद सुबह उसे ताला टूटा दिखा। फिर उसने अधिकारियों को सूचना दी। वारदात की सूचना मिलते ही सुबह करीब 8 बजे एसपी अमित कुमार, एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, स्टेशन रोड टीआई स्वराज डाबी और माणकचौक टीआई अनुराग यादव सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

सीसीटीवी में कैद हुआ चोर, चार टीमें गठित

चोरी की वारदात पोस्ट ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। तड़के करीब 4 बजे एक व्यक्ति मुंह पर कपड़ा बांधकर और बैग लेकर डाकघर में घुसते हुए कैमरे में दिखाई दे रहा है। चोर रेनकोट पहनकर आया था। मुहं पर कपड़ा बांध रखा था।

पुलिस ने आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमों का गठन किया है। एसपी अमित कुमार ने बताया कि शहर और पोस्ट ऑफिस के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डॉग स्क्वॉड और तकनीकी टीम भी जुटी जांच में

पुलिस ने चोर के सुराग के लिए डॉग स्क्वॉड की मदद भी ली है। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी अलग-अलग टीम बनाकर आसपास के क्षेत्रों में सर्चिंग में जुटे हुए हैं।

बाउंड्रीवाल कूद कर आया था चोर

पुलिस जांच में सामने आया कि चोर पोस्ट ऑफिस की बाउंड्रीवाल कूद कर बगीचे में होते हुए परिसर में पहुंचा। गेट पर सीसीटीवी लगा था। संभवतः चोर ने पहले देख लिया था।

अमृत हरित महाअभियान

नगरीय क्षेत्रों में रोपे गये 23 लाख पौधे

अमृत मित्र महिला समूह को दी पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण के लिये इस वर्ष नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने अमृत हरित महाअभियान चलाया है। अभियान में अब तक 10 संभागों में 23 लाख पौधों का सफलतापूर्वक रोपण किया जा चुका है। नगरीय क्षेत्रों में जन भागीदारी से सामुहिक पौधरोपण के कार्यक्रम अभी भी निरंतर आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक यह पौधरोपण जबलपुर, शहडोल, भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, इंदौर, सागर एवं रीवा संभाग के नगरीय क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर किया गया है। शहरी क्षेत्रों में लगाये गये पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी 'वूमेन्स फॉर ट्री' अमृत मित्र महिला समूह को सौंपी गयी है। प्रदेश में करीब 7 हजार 800 महिलाएं लगाये गये पौधों की 2 वर्ष तक सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाएंगी। अमृत महिला मित्रों को नगरीय निकायों द्वारा प्रशिक्षण के साथ आवश्यक किट भी उपलब्ध कराया गया है। प्रदेश के कुछ नगरीय निकायों ने उनके नगरीय क्षेत्रों के पार्कों के रखरखाव की जिम्मेदारी अमृत मित्र महिला समूह को सौंपी है।

प्रदेश में अमृत हरित महाअभियान 5 जून 2025 को पर्यावरण दिवस से नगरीय निकायों की मदद से व्यापक स्तर पर शुरू किया गया था। राज्य में यह अभियान 30 सितंबर तक लगातार जारी रहेगा। सामुहिक पौधरोपण में जनभागीदारी में छात्र-छात्राओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों, विशेषकर महिला जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को शामिल किया जा रहा है।

औद्योगिक क्षेत्रों में भी पौधरोपण

प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण संतुलन के लिये नगरीय निकायों ने सामूहिक पौधरोपण के व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश को हराभरा बनाने तथा शहरी पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। पौधरोपण में मुख्य रूप से छायादार और फलदार वृक्षों का चयन किया गया है।

आयुक्त की अपील

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने सभी नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से अपील है कि वृक्षारोपण को जन-अभियान का स्वरूप देते हुए अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधों का रोपण और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी का निर्वहन निष्ठा के साथ करें। ऐसा करके ही हम सब पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा सकते है।

पर्यटन स्टोरी

म.प्र. के पर्यटन स्थलों ने वैश्विक पटल पर बनाई पहचान

देश-विदेश के पर्यटकों को भा रहा है मध्यप्रदेश

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 'विरासत से विकास' के मार्ग पर चल कर सांस्कृतिक अभ्युदय और वैश्विक पुनर्जागरण के नए युग में प्रवेश कर रहा है। इसमें पर्यटन की भूमिका भी अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री का मानना है कि पर्यटन आर्थिक लाभ का साधन होने के साथ ही भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का साधन है।

मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है। यहां की ऐतिहासिक धरोहर, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल और लोक परंपराओं की समृद्धि इसे विश्व पर्यटन मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिला रही हैं। एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका ने विगत वर्ष मध्यप्रदेश को दुनिया के टॉप-10 टूरिज्म डेस्टिनेशन में शामिल किया, जो हमारे लिए गौरव का विषय है। इस संदर्भ का उल्लेख प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत 25 दिसम्बर को खजुराहो में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती कार्यक्रम में करते हुए प्रदेश के प्रयासों की सराहना की थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश का पर्यटन क्षेत्र अभूतपूर्व विरासत से विकास के विस्तार पथ पर चल कर नये युग में प्रवेश कर चुका है। मध्यप्रदेश ने पर्यटन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाकर न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित किया है।

इस परिवर्तन की आधारशिला मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में बनी मध्यप्रदेश पर्यटन नीति-2025 है। यह नीति पर्यटन के संचालन और निवेश के क्षेत्र को नया आकार देने वाली व्यापक

रणनीति है। इस नीति का उद्देश्य राज्य में पर्यटन ईकोसिस्टम विकसित करना है, जो पर्यटन को बढ़ावा देने वाली अधोसंरचना विकसित करने में सहायक सिद्ध हुई है। साथ ही इस नीति ने प्रदेश को ग्लोबल संपर्क बढ़ाने की दिशा का रोडमैप भी उपलब्ध कराया है। यह नीति निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करती है, साथ ही ईको टूरिज्म, आध्यात्मिक पर्यटन और धरोहरों के संरक्षण के लिए व्यापक अवसर प्रदान करती है।

प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों को मिली अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि- खजुराहो नृत्य समारोह, तानसेन संगीत समारोह, भगोरिया उत्सव और लोकरंग जैसे आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। विक्रमोत्सव जैसे आयोजन उज्जैन को विश्व सांस्कृतिक मानचित्र पर नई पहचान दे रहे हैं और भारतीय पुनर्जागरण के वाहक बन रहे हैं।

उज्जैन में डमरू वादन, ग्वालियर में ताल दरबार (तबला वादन), भोपाल में गीता पाठ और खजुराहो में कथक कुंभ (नृत्य मैराथन) ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया है।

ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, चित्रकूट का राम वन पथ गमन, जानापाव और संदीपनि आश्रम जैसे केंद्र आध्यात्मिक पर्यटन की पहचान बन चुके हैं।

प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के विभिन्न स्थलों में लोक एवं स्मारकों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें सागर में संत रविदास लोक, जबलपुर में रानी दुर्गावती स्मारक, सीहोर में देवी लोक सलकनपुर, ओरछा, जिला निवाड़ी में श्री रामराजा लोक, पांढुर्णा में जाम सॉवली श्री हनुमान लोक, मंदसौर में श्री पशुपतिनाथ लोक, ग्वालियर में अटल स्मारक, महू जिला इंदौर में श्री परशुराम लोक जानापाव, भोपाल में महाराणा प्रताप लोक, नीमच में भादवामाता लोक, जबलपुर में रानी अवंतीबाई स्मारक, अमरकंटक जिला अनूपपुर में माँ नर्मदा महालोक, खरगौन में देवी अहिल्या लोक और बड़वानी में नागलवाड़ी लोक बनाया जा रहा है।

कटरा-जम्मू से भोपाल लौटने वालों को परेशानी

अब नई दिल्ली या अंबाला जाना होगा, फिर मिलेगी ट्रेन

भोपाल (नप्र)। जम्मू मंडल के कठुआ-माधोपुर पंजाब खंड में डाउन लाइन पर यातायात बाधित होने से भोपाल और मध्यप्रदेश के यात्रियों की यात्रा प्रभावित हुई है। खासकर वे यात्री जो जम्मू, कटरा और आसपास के इलाकों से भोपाल लौटने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अब सीधे मुख्य स्टेशनों से ट्रेन नहीं मिलेगी। रेलवे ने तीन प्रमुख गाड़ियों को उनके मूल प्रारंभिक स्टेशन से न चलाकर बीच के स्टेशनों से शॉर्ट ओरिजिनेट करने का निर्णय लिया है। इसका मतलब है कि अब यात्रियों को पहले सड़क मार्ग से उन स्टेशनों तक जाना होगा, जहां से ट्रेन का संचालन शुरू होगा, उसके बाद ही वे संबंधित ट्रेन में सफर कर सकेंगे।

रेलवे के मुताबिक

झेलम एक्सप्रेस (11078), जिसमें रोजाना भोपाल से करीब 300 यात्री पहुंचते हैं, 30 अगस्त को अब अंबाला से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। यह ट्रेन भोपाल आएगी, लेकिन यात्रियों को कटरा/जम्मू से अंबाला तक सड़क या अन्य साधन से जाना होगा।

मालवा एक्सप्रेस (12920), जिसमें

भोपाल रोजाना 400 से अधिक यात्री जम्मू, पंजाब, व दिल्ली से पहुंचते , 29 अगस्त को नई दिल्ली से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। यह भी भोपाल आएगी, लेकिन यात्री कटरा से नई दिल्ली तक अन्य साधनों से पहुंचकर ही ट्रेन पकड़ सकेंगे। श्री माता वैष्णो देवी कटरा-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस (16788) 31 अगस्त को नई दिल्ली से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यह बदलाव केवल अप ट्रेनों के लिए है। यानी जो गाड़ियां जम्मू-कटरा की ओर से चलकर भोपाल आती हैं, वे अब अपने मुख्य प्रारंभिक स्टेशनों से नहीं चलेंगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले रेलवे की वेबसाइट या NTES मोबाइल ऐप पर ट्रेन का अपडेट जरूर देखें।

संपादकीय

थियेटर कमान पर रार क्यों?

लगता है कि भारतीय सेना और सक्षम तथा आधुनिक बनाने के लिए थिएटर कमान प्रणाली लागू करने को लेकर सेना के तीनों अंगों के शीर्ष अधिकारियों में 6 साल बाद भी सहमति नहीं बन पा रही है। यही कारण है कि सीडीए अनिल चौहान को कहना पड़ा कि राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर थिएटर कमान पर असहमति दूर की जाएगी। मुख्य विरोध वायु सेना की ओर से किया जा रहा है। हाल में मध्यप्रदेश के महू स्थित 'आर्मी वॉर कॉलेज' में आयोजित दो दिवसीय सैन्य सम्मेलन में प्रस्तावित थिएटर कमानों पर अलग-अलग राय स्पष्ट रूप से दिखाई दी। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने योजना को जल्दबाजी में लागू करने के प्रति आगाह किया जबकि नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा, उनका बल इसके लिए प्रतिबद्ध है। दरअसल वायु सेना इस बात पर सहमत नहीं है कि उसे सिर्फ सहायक सेना की तरह से देखा जाए। हाल के युद्धों में वायु सेना के एक स्वतंत्र आक्रमणकारी यूनिट की तरह काम कर रही है, खासकर ड्रोन टेक्नोलॉजी आने के बाद तो वायु सेना का दुश्मन पर हमले के मामले में महत्व और बढ़ गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में भी हमने यह देखा। इसलिए एयर चीफ मार्शल ए.पी.सिंह को यह कहना पड़ा कि थियेटर कमान योजना जल्दबाजी में न लागू की जाए। इस पर गंभीर विचार-विमर्श के बाद ही लागू किया जाना चाहिए। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने योजना को जल्दबाजी में लागू करने के प्रति आगाह किया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सशस्त्र बलों को थिएटर कमान स्थापित करने के लिए किसी दबाव में नहीं आना चाहिए। उन्होंने तीनों सेनाओं के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष सैन्य अधिकारियों को शामिल करते हुए दिल्ली में एक संयुक्त योजना एवं समन्वय केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि उनका बल इसके लिए प्रतिबद्ध है। जबकि थल सेना और नौसेना को इसे लागू करने में दिक्कत नहीं है। इसी संदर्भ में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि तीनों सेनाओं को मिलाकर बनने वाले प्रस्तावित थिएटर कमान पर असहमति को राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर दूर किया जाएगा। जाहिर है कि थियेटर कमान के मुद्दे पर तीनों सेनाओं में सहमति नहीं है। गौरतलब है कि सरकार ने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए 2019 में थिएटरीकरण योजना की घोषणा की थी। हालांकि, इसे लागू करने की दिशा में ठोस प्रगति नहीं हुई है। थिएटराइज़ेशन का मूल पहले विश्व युद्ध में है। शब्दकोष में थिएटर ऑफ वॉर के मायने हैं 'तमाम ज़मीनी, समुद्री, और हवाई क्षेत्र जो सीधे तौर पर, युद्ध संचालन में शामिल हैं या हो सकते हैं। जिसमें 5 एकीकृत या थिएटर कमांड्स होंगी, जो बेहतर प्लानिंग और सैन्य रेस्पॉन्स में सहायक होंगी और जिनका भविष्य के युद्ध लड़ने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण होगा। सीडीएस का कार्य तीनों सेनाओं के बीच तालमेल सुनिश्चित करना है। सरकार थिएटरीकरण मॉडल के तहत थलसेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एकीकृत करने और युद्धों एवं अभियानों के लिए उनके संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने का प्रयास करती है। थिएटरीकरण योजना के अनुसार, हर थिएटर कमांड में थलसेना, नौसेना और वायुसेना की इकाइयां होंगी। ये सभी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए एक इकाई के रूप में काम करेंगी। वर्तमान में थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अलग-अलग कमान हैं। चिंता की बात यह है कि चीन काफी पहले थियेटर कमान पर काम शुरू कर चुका है, जबकि हमारे यहां चर्चा ही चल रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से यह स्थिति ठीक नहीं है।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव में छिपे भावी राजनीति के संकेत

सुदर्शन रेड्डी आंध्रप्रदेश और गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे और 2007 से 2011 तक उच्चतम न्यायालय में। नवर्तमान तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने जब सामाजिक,आर्थिक, शैक्षणिक, जातीय सर्वेक्षण का फैसला किया तो उसके रिपोर्ट के लिए सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता में ही एक समिति बनाई थी। इस तरह कांग्रेस के साथ उनका संपर्क था। हालांकि जब वे गोवा के लोकायुक्त थे तब कांग्रेस ने विरोध किया था। उस समय उनकी नियुक्ति भाजपा सरकार की ओर से हुई थी और इसलिए कांग्रेस में उन्हें पक्षपाती माना था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें सिविल लिबर्टीज यानी नागरिक स्वतंत्रता का झंडा उठाने वाला न्यायाधीश कहां है। छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसा के विरुद्ध जनता के सलवा जुडूम संघर्ष को उन्होंने असंवैधानिक करार देकर प्रतिबंधित किया था।

भाजपा नेतृत्व वाले राजग के सीपी राधाकृष्णन के विरुद्ध आईएनडीआईए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाने पर कांग्रेस का तर्क है भाजपा ने संघ पृष्ठभूमि वाले को उम्मीदवार बनाया जबकि हमने ऐसे न्यायमूर्ति को सामने लाया है जिनकी संविधान के प्रति प्रतिबद्धता है। इस तरह कांग्रेस इसे विचारधारा से जोड़ने की राजनीति की है । आईएनडीआईए में साफ था कि किसी राजनीतिक दल या वैसे चेहरे के पक्ष में पूरे समूह का वोट सुनिश्चित मानना कठिन होगा। बी सुदर्शन रेड्डी भी दक्षिण के हैं और संयुक्त आंध्र के होने के कारण विपक्ष की सोच है कि भाजपा के सहयोगियों तेलुगूदेशम, जन सेना के साथ तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के सामने दुविधा पैदा होगी। दोनों सदनों के अंकगणित को देखें लोकसभा की प्रभावी सदस्य संख्या 542 और राज्यसभा की 240 है। तो उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या हुई, 782। राजग की 422 संख्या के अनुसार सीपी राधाकृष्णन का उपराष्टपति बनना प्रायः निश्चित है।

आइए अब उम्मीदवारों के पीछे की रणनीति, उनकी योग्यताएं और संदेशों को समझें। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन के व्यक्तित्व में विवादों का स्थान नहीं रहा है। इसलिए उनके विरोध के लिए कोई तथ्य नहीं मिल सकता। वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल के पूर्व झारखंड के भी राज्यपाल रहे तथा इसी बीच कुछ समय के लिए तेलंगाना और पुडुचेरी का भी अतिरिक्त प्रभार उनके पास रहा। लगातार जनता के बीच जाने के लिए झारखंड एवं महाराष्ट्र में यात्राएं करने के बावजूद राजनीतिक विवाद न होना या राजनीतिक दलों द्वारा प्रश्न खड़ा न किया जाना उनकी व्यवहारिक विवेकशीलता का प्रमाण है। वह 1998 और 1999 में दो बार तमिलनाडु के कोयंबटूर से लोकसभा सांसद रह चुके हैं। इसलिए कोई उन्हें संसदीय प्रणाली से भी अनभिज्ञ नहीं कह सकता। उनका राजनीतिक कैरियर लगभग पांच दशक का है। वे तमिलनाडु में भाजपा के सचिव और अध्यक्ष रह चुके हैं। वैसे तमिलनाडु से ही सर्वपल्ली राधाकृष्णन पहले उपराष्ट्रपति और बाद में राष्ट्रपति बने जो न कभी किसी सदन के सदस्य रहे और न किसी दल से जुड़े थे। हां तमिलनाडु से दूसरे उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति बीबी गिरी अवश्य गवर्नर का पद संभाल चुके थे। इसलिए विपक्ष के पास इस आधार पर भी आलोचना का कोई कारण नहीं है।

सुदर्शन रेड्डी आंध्रप्रदेश और गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे और 2007 से 2011 तक उच्चतम न्यायालय में । नवर्तमान तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने जब सामाजिक,आर्थिक, शैक्षणिक, जातीय सर्वेक्षण का फैसला किया तो उसके रिपोर्ट के लिए सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता में ही एक समिति बनाई थी। इस तरह कांग्रेस के साथ उनका संपर्क था। हालांकि जब वे गोवा के लोकायुक्त थे तब कांग्रेस ने विरोध किया था। उस समय उनकी नियुक्ति भाजपा सरकार की ओर से हुई थी और इसलिए कांग्रेस में उन्हें पक्षपाती माना था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें सिविल लिबर्टीज यानी नागरिक स्वतंत्रता का झंडा उठाने वाला न्यायाधीश कहां है। छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसा के विरुद्ध जनता के सलवा जुडूम संघर्ष को उन्होंने असंवैधानिक करार देकर प्रतिबंधित किया था । इस फैसले की तब से आज तक आलोचना हो रही है क्योंकि इसे जनता की अपने जीवन और संपत्ति की रक्षा तथा हिंसा के द्वारा इन्हें नष्ट करने वालों के विरुद्ध संघर्ष का अधिकार छीना गया था। तो इसका संदेश क्या हो सकता है? शीर्ष स्तर पर न्यायाधीश की योग्यता छोड़ दें तो राजनीतिक दृष्टि से कांग्रेस या किसी पार्टी के समर्थकों, नेताओं , कार्यकर्ताओं आदि के बीच इसका कोई विशेष संदेश नहीं गया होगा। कांग्रेस इसे विचारधारा का विषय भले बनाए उसके या आईएनडीआईए दलों के लिए इसमें जनता के बीच आकर्षक राजनीतिक संदेश देने का पहलू नहीं है। कांग्रेस ने पिछली बार जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अपनी नेत्री मारग्रेट अल्वा को खड़ा किया था। सो यह दावा नहीं कर सकते कि ऐसे पद के लिए राजनीति से परे हटकर विचार करते हैं। ऐसा लगता है कि विपक्षी दलों के मत दूसरी ओर जाने से रोकने के लिए सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया गया है।

दूसरी ओर साफ दिखता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने उम्मीदवार पर गहराई से मंथन किया है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी नीतियों और व्यवहारों से तमिल बनाम अन्य, उत्तर बनाम दक्षिण के भेद को समाप्त करने के लिए सतत कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री संपूर्ण भारत के साथ तमिल संस्कृति और वहां के आस्था स्थलों के जुड़ाव को अलग-अलग तरीकों से रेखांकित करते रहे हैं। काशी तमिल संगम तथा महत्वपूर्ण तमिल ग्रंथों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद आदि से तमिल राजनीति के उत्तर दक्षिण, आर्य द्रविड़,तमिल गैर तमिल जैसी विभाजनकारी राजनीति का उत्तर देने की भी प्रभावी कोशिश कर कर रहे हैं। भाजपा तमिलनाडु में अपना प्रभावी अस्तित्व बनाने के लिए सक्रिय है। इस दृष्टि से राधाकृष्णन का तमिल और

पिछड़ा होने का राजनीतिक अर्थ समझ में आता है। एक राजनेता होते हुए भी राज्यपाल के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर राजनीति को नहीं आने देना उनका ऐसा गुण है जिसकी प्रशंसा दोनों राज्यों के भाजपा विरोधी पार्टियां करतीं हैं। दिन रात भाजपा के विरुद्ध बयान देने वाले शिवसेना उद्धव के नेता संजय राउत ने कहा कि उनका एक अविवादित व्यक्तित्व है। झारखंड से भी उनके बारे में यही आवाज है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक आंध्र की पार्टियों से सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की घोषणा नहीं है जबकि जगनमोहन रेड्डी राधाकृष्णन के समर्थन का बयान दे चुके हैं।

वैसे राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाने का भाजपा की दृष्टि से महत्वपूर्ण संदेश दूसरे हैं। पहले सत्यपाल मलिक और बाद में जगदीप धनखड़ के अनुभव से सीख लेते हुए ऐसा लगता है कि भाजपा पूरी तरह परीक्षित नेता को ही महत्वपूर्ण स्थानों पर लाने की नीति की ओर अग्रसर हो रही है। ऐसा होता है तो यह नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। पिछले लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के असंतोष के पीछे यह एक प्रमुख कारण था जिसके क्षति भाजपा को उठानी पड़ी। राधाकृष्णन की पूरे राजनीतिक जीवन में वैचारिक प्रतिबद्धता स्पष्ट रही है। तमिलनाडु में तमिल और सनातन विभाजन के विरुद्ध तथा सनातन संस्कृति के पक्ष में वे प्रखर रहे हैं। कोयंबटूर में 1997 के दंगों के बीच उनकी भूमिका को हिंदू संगठनों ने काफी सराहा। जिन लोगों को पिछली सदी के अंतिम दशक में तमिलनाडु के अंदर बढ़ते मुस्लिम कट्टरवाद, दंगों और आतंकवाद की जानकारी है वे उनके कार्य को भली-भांति समझते हैं। 18 फरवरी 1998 को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान लालकृष्ण आडवाणी की सभा के कुछ समय पूर्व सभा स्थल से लेकर जहां-जहां से सभा में लोग आने थे श्रृंखलाबद्ध विस्फोटों ने पूरे प्रदेश को हिला दिया। राधाकृष्णन तब वहां से भाजपा के उम्मीदवार थे। तत्काल 58 लोग मारे गए एवं 200 के आसपास घायल हुए थे। राधाकृष्णन ने घायलों से लेकर मृतकों के परिवारों की सहायता तथा आतंकवादियों एवं उनके समर्थकों के विरुद्ध जिस तरह निर्भीक होकर काम किया उससे उनका व्यापक जन समर्थन बढ़ा । वह करीब डेढ़ लाख मतों से विजित हुए। उनका आत्मविश्वास इतना बढ़ गया था कि 1999 के मध्यावधि चुनाव में उन्होंने घोषणा ही कर दिया कि यहां से भाजपा को वोट मांगने की आवश्यकता नहीं। भाजपा के शुद्ध वैचारिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के पक्ष में संपूर्ण राजग का एकजुट होना साबित करता है कि नरेंद्र मोदी द्वारा सत्ता संभालने के बाद राजनीति भाजपा के संदर्भ में कहां से कहां पहुंच गई है। यह राजग के भीतर वैचारिक द्वंद्व की संभावनाओं को तत्काल खारिज करने वाला संदेश है। वैसे भी बिहार चुनाव के वक्त कोई पार्टी इस आधार पर दगा करेगी यह कल्पना ही बेमानी है। महाराष्ट्र में भी शिवसेना शिंदेऔर राकांपा अजीत पवार द्वारा किसी तरह के विचलन की संभावना नहीं दिखती। चंद्रबाबू नायडू ने 2019 में भूल कर दी थी जिसका परिणाम उनको भुगतना पड़ा। काफी संघर्ष के बाद वे सत्ता में लौटे है। इस स्थिति में वे विपक्ष का साथ दे देंगे ऐसी कल्पना कठिन है। इसके उल्ट क्या महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात का असर हो सकता है? प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की अपनी एक तस्वीर स्वयं सार्वजनिक किया। कांग्रेस द्वारा इस विचारधारा की लड़ाई बताने के बाद अगर भाजपा की वैचारिक प्रतिबद्धता वाले उम्मीदवार के पक्ष में दूसरी ओर का कुछ वोट भी आता है तो यह भाजपा नेतृत्व के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। वस्तुतः यह भारत की भावी राजनीति के लिए दिशा संकेतक होगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष

हर्षवर्धन पान्डे

लेखक पत्रकार हैं।

ध्यानचंद को भारत रत्न देने में अब देरी क्यों?

उनकी स्टिक में एक जादू परिलक्षित होता था। हाकी थामे जब वो ड्रिबलिंग करते थे तो अच्छे-अच्छे खिलाड़ियों के पसीने छूट जाते थे। आप कह सकते हैं हाकी के मैदान पर अपने तीसरे नेत्र द्वारा वो विपक्षी टीम के हर खिलाड़ी पर पैनी नजर रखते थे। उनका दिल और दिमाग हर समय हाकी के खेल में ही डूबा रहता था। सही मायने में उनके आसपास हाकी जैसे राष्ट्रीय खेल का औरा था। वे मैदान पर जब रहते थे तो खेल के हर दांव पर चीजों को साधते थे। वे लोग भाग्यशाली थे जिन्होंने महान हाकी जादूगर ध्यानचंद के खेल को बेहद करीब से देखा है । उनकी सबसे बड़ी देन यही है कि उन्होंने देश के हर खिलाड़ी को यह पाठ पढ़ाया कि आपकी परिस्थितियां आपको बड़ा बनने से रोक नहीं सकती अगर आप में खेल के प्रति जुनून है। किसी भी खिलाड़ी की महानता को आप उसके खेलों के प्रति समर्पण, जिद और जुनून से बखूबी नाप सकते हैं, उस हिसाब से तो मेजर ध्यानचंद महान खिलाड़ी थे। उन्हें हॉकी में फिरकी का जादूगर यूं ही नहीं कहा जाता था।

ध्यानचंद का जन्म उत्तरप्रदेश के इलाहबाद में 29 अगस्त 1905 को हुआ था। उनके पिता का नाम समेश्वर सिंह था जो ब्रिटिश इंडियन आर्मी में एक सूबेदार के रूप कार्यरत थे। हाकी का माहौल तो मानो पूरे परिवार में ही था। पिता को हाकी की स्टिक पकड़ा देखकर ध्यान ने भी हाकी की स्टिक थाम ली। यह वह दौर था जब ध्यानचंद के भाई मूल सिंह और रूप सिंह भी हाकी के हीरो के रूप में जाने जाने लगे। हॉकी के खेल में ध्यानचंद की प्रतिभा देखते ही बनती थी। उन्होंने सतत साधना, अभ्यास, लगन, संघर्ष और संकल्प के सहारे भारतीय हाकी को दुनिया में अपने आसरे न केवल नई पहचान दिलाई बल्कि दुनिया में भारत की हाकी की धमक अपने खेल के जरिये दिखाई।

ध्यानचंद जब महज 14 बरस के थे, तब वह अपने पिता के साथ हॉकी मैच देखने के लिए गए। जहां उन्होंने एक टीम को 2 गोल से हारते हुए देखा। तभी चंद ने अपने पिता से पूछा कि वह हारने वाली टीम से कैसे खेल सकते हैं? उनके पिता ने कहा 'हाँ क्यों नहीं।' उस मैच में ध्यान चंद ने 4 गोल किए। उनके प्रदर्शन को देखते हुए सेना के अधिकारी इतने प्रभावित हुए और उन्हें सेना में शामिल होने की पेशकश की। ध्यानचंद 16 साल की उम्र में 'फर्स्ट ब्राह्मण रेजिमेंट' में एक साधारण सिपाही के रूप में भर्ती हुए लेकिन वे भारतीय सेना में मेजर के पद तक अपने खेल के जरिये पहुंचे। भारतीय सेना जॉइन करने के बाद उन्होंने हॉकी को अपना जीवन बना लिया किया।

ध्यानचंद बेहतरीन हाकी खेलते थे। इसके लिए वो दिन - रात पसीना बहाया करते थे। उस दौर में उनके रात के अभ्यास सत्र को चांद निकलने से जोड़कर देखा जाता था शायद यही वजह थी उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें 'चांद' नाम दे दिया। ध्यानचंद को फुटबॉल में पेले और क्रिकेट में ब्रैडमैन के समतुल्य माना जाता है। उनकी गेंद इस कदर उनकी स्टिक से चिपकी रहती कि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को अक्सर आशंका होती कि कहीं वो किसी जादुई स्टिक से तो नहीं खेल रहे हैं। ध्यानचंद की हॉकी स्टिक से जिस तरह गेंद चिपकी रहती थी उसे देख कर उनकी हॉकी स्टिक में गोंद लगे होने की बातें भी पूरी दुनिया में कही गई।

ध्यानचंद का असली नाम ध्यान सिंह था जो नाम उनके कोच पंकज गुप्ता ने दिया था। उनकी हॉकी की कलाकारी देखकर हर हॉकी प्रेमी बिना वाह-वाह कहे बिना नहीं रह पाता था। प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी भी अपनी सुध - बुध खोकर उनकी स्टिक की कलाकारी को देखने में मशगूल हो जाते थे।1928 में एम्सटर्डम में हुए ओलिंपिक खेलों में वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। उस टूनामेंट में ध्यानचंद ने 14 गोल किए। एक स्थानीय समाचार पत्र में लिखा था, 'यह हॉकी नहीं बल्कि जादू था और ध्यान चंद हॉकी के जादूगर हैं।'1936 के बर्लिन ओलंपिक में उनके साथ खेले और बाद में पाकिस्तान के कप्तान बने आईएनएस दारा ने वर्ल्ड हॉकी मैगज़ीन के एक अंक में लिखा था, 'ध्यान के पास कभी भी तेज़ गति नहीं थी बल्कि वो धीमा ही दौड़ते थे। लेकिन उनके पास गैप को पहचानने की गज़ब की क्षमता थी। डी में घुसने के बाद वो इतनी तेज़ी और ताकत से शॉट लगाते थे कि दुनिया के बेहतरीन से बेहतरीन गोलकीपर के लिए भी कोई मौका नहीं रहता था।'

अपने शानदार खेल से ध्यानचंद विपक्षी टीम की रक्षापंक्ति को छिन्न-भिन्न कर देते थे और दर्शकों को अपने बेहतरीन खेल से मंत्रमुग्ध कर देते थे। इस पर विरोधी टीम अक्सर का सेंटर-हाफ में अपना संतुलन खो बैठती थी। मुझे ध्यानचंद के बेटे अशोक का इंटरव्यू करने का सौभाग्य मिला है। ओलंपिक चैंपियन ध्यानचंद के बेटे अशोक ध्यानचंद ने मुझे एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि ध्यानचंद ड्रिब्लिंग के उस्ताद थे लेकिन उनकी असली प्रतिभा उनके दिमाग़ में थी। वो उस ढंग से हॉकी के मैदान को देख सकते थे जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। उनको बिना देखे ही पता होता था कि मैदान के किस हिस्से में उनकी टीम के खिलाड़ी और प्रतिद्वंदी मूव कर रहे है।1947 के पूर्वी अफ्रीका के दौरे के दौरान उन्होंने केडी सिंह बाबू को गेंद पास करने के बाद अपने ही गोल की तरफ़ अपना मुंह मोड़ लिया और बाबू की तरफ़ देखा तक नहीं। जब उनसे बाद में उनकी इस अजीब सी हरकत का कारण पूछा गया तो उनका जवाब था, 'अगर उस पास पर भी बाबू गोल नहीं मार पाते तो उन्हें मेरी टीम में रहने का कोई हक़ नहीं था'।

ध्यानचंद ने 1925 में अपना पहला राष्ट्रीय मैच खेला और उस मैच के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए चुना गया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू मैच में गोलों की हैट्रिक लगाई थी। दिसंबर 1934 में ध्यान चंद को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। वर्ष 1956 में 51 वर्ष की उम्र में ध्यान चंद सेना से मेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए। भारतीय हॉकी में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए ध्यानचंद को सम्मानित करते हुए एक भारतीय डाक टिकट जारी हुआ। उन्हें 1956 में भारत के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2002 से भारतीय खेल एवं युवा मंत्रालय द्वारा खिलाड़ी के जीवन भर के कार्य को गौरवान्वित करने के लिए 'ध्यानचंद पुरस्कार' दिया जाने लगा। ध्यानचंद के जन्मदिन को हर वर्ष भारतीय राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति स्वयं खेल के अलग-अलग क्षेत्रों के अलग-अलग खिलाड़ियों को विभिन्न खेल सम्मानों (राजीव गांधी खेल रत्न, अर्जुन अवार्ड, द्रोणाचार्य अवार्ड, ध्यानचंद अवॉर्ड) से सम्मानित करते हैं। हाकी के इस जादूगर का जन्मदिन राष्ट्रीय खेल दिवस सभी विद्यालयों,कालेजों और खेल अकादमियों में मनाया जाता है। यह दिन मनाने के पीछे एक उद्देश्य यह भी है कि हम अपने देश के युवाओं में खेल को अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर पाएं और उनके अंदर ये भावना जाग्रित कर पाएं कि वे अपने खेल के उम्दा प्रदर्शन के जरिए खुद की तरक्की तो कर ही सकते हैं साथ ही उनके अच्छे खेल प्रदर्शन से देश का नाम भी ऊंचा करेंगे।

ओलम्पिक में भारतीय हाकी टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद से यही आवाज लगातार उठ रही है कि ध्यानचंद को अब भारत रत्न देने में केंद्र सरकार को देरी नहीं करनी चाहिए। फिलहाल इसका जवाब उनके बेटे अशोक ध्यानचंद के पास भी नहीं है लेकिन जनभावनाओं और ध्यानचंद के हाकी के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें अभी भी उम्मीद है कि सरकार देर -सबेर इस इस बारे में जरूर सोचेगी।

ख्याली पुलाव बनाने की विधि

कटाक्ष

विश्वास व्यास

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बहुत दिनों से कोई नई रेसिपी आजमाने का विचार चल रहा था। इधर उधर के कई अखबार और वीडियो देख डाले। पर बात नारियल के लड्डू, इसकी खीर और उसके हलवे से आगे नहीं बढ़ती नजर नहीं आई। मै सोचा, खुद ही कुछ बनाया जाए। वैसे रसोईघर अपने लिए POK (पत्नी ऑक्युपाइड किचन) जैसा ही रहा है। जिस पर दावा तो अपना पूरा- पूरा है, पर कब्जा नहीं ! वहां केवल जल समझौता ही चलता है। गए... पानी लिया और आ गए ! बस ..

वैसे एक आध बार जोश में कुछ बनाने का झंडा उठा लिया था। खाना तो खैर जो भी बना, अपना मजाक बहुत अच्छा बना। खाने की जगह इतने ताने मिले कि तौबा की नौबत आ गई। तब से रसोई तक अपनी रसाई नहीं रही।

यूं कभी कभी अपनी घुसपैठ घर की महिलाओं की अनुपस्थिति हो जाती है। पर महिलाएं भी चतुर सुजान होती है। सुरक्षा के कड़े मतलब टाइट इंतजाम पहले से कर के रखती है। अक्सर काजू बादाम, मिठाई नमकीन के डिब्बों के ढक्कन टाइट ही होते है। बहुत जतन से ये डिब्बे खुल तो जाते है। पर तब तक कई सबूत मौका ए वारदात पर छूट जाते है। सारा घर जान जाता है कि आज आपके चरणकमल किचन में पड़े थे। इसके बाद चार दिनों तक जवाबी कार्यवाही होती है। मै इस ऑपरेशन सिंदूर से बचने के लिए रसोई से दूर ही रहता हूं।

लेकिन दिल में कुछ न कुछ बनाने की आरजू है। रसोई में जाए बिना कैसे कुछ पकाऊं??

अपनी अंतर्दृष्टि, आंतरिक चेतना को जागृत करने पर मुझे इस समस्या का हल मिल गया।

क्यों न ख्याली पुलाव पका लिया जाए???

दिमाग में तो यह जब तब पकता ही रहता है। आज फिर से कोशिश कर लेता हूं। रेसिपी अच्छी रही तो कही छप भी जाएगी। क्योंकि आज कल व्यंग्य छपने की जगह तो ज्यादा बची नहीं। विधा नहीं तो विधि तो छप ही जाएगी। चलिए, शुरू करते है।

ख्याली पुलाव पकाने के लिए सबसे पहले दिमाग का खाली बर्तन लेना है। ध्यान रहे, पहले अच्छे से देख ले कि दिमाग में और कुछ तो नहीं है। वरना रेसिपी खराब हो सकती है।

इसके बाद फुर्सत का चूल्हा जलाना है। सामान्य चूल्हे पर खयाल ठीक से पकते नहीं है। उसमें कसर रह जाती है। इसलिए तय करे कि फुर्सत अखंड और ताजी हो। फिर दो कटोरी कल्पना के चावल लेकर उसे अरमानों के पानी से धोना है।

पैसों से भरा बैग मिल जाने या भारतीय क्रिकेट टीम को धुंआधार शतक लगाकर जिताने के ख्याल को सब्जियों की तरह डाले।

कुछ लोग हीरो बन जाने वाला खयाल भी उपयोग कर सकते है। इसे परंपरागत स्वाद की तरह लिया जाएगा। आपको कुछ नया आजमाना है तो खाली दिमाग में कड़छी सतत चलानी होगी। नहीं तो पुलाव चिपक सकता है। यहां ध्यान रखे कि नेता बनने वाला खयाल ज्यादा पानी मांगता है। झूठ और चालबाजी दोनों थोड़ी ज्यादा मिलाना होगी। वरना नेतागिरी का फ्लेवर नहीं आएगा। कुछ जुमले और ब्रेकिंग न्यूज घोटाले भी मिल जाए तो स्वाद बढ़ जाएगा।

एक बार ये सारी सामग्री मिल जाए तो खाली दिमाग को उम्मीद की आंच पर चढ़ा दे। इसे धीमे धीमे पकने दे।

कुछ ही देर में आप देखेंगे कि आरज़ू का पानी उबाल मार कर दिमाग से बाहर निकलने लगेगा। बस इसी वक्त मसाले डाल दीजिए।

एक आध हीरोइन से चक्कर वाले मसाले बस आधा चम्मच ही कारगर होंगे।

स्वादानुसार नमक की तरह ईश्वर की कृपा, चमत्कार टाइप का कुछ सोच लीजिए। बस आपका ख्याली पुलाव पक कर तैयार है। इसे दोस्तो की महफिल में या सोशल मीडिया पर चार चमचों के साथ परोस दीजिए। पुलाव कच्चा भी रह गया तो भी लोग इसे कच्चा चबा ही लेंगे।

आपकी हांकी डिंग की खुशबू लोगों का मन खुश कर देगी। ख्याली पुलाव पकाने से आप खुद की क्षुधा शांत कर सकेंगे। साथ ही दूसरों की जिंदगी में हंसी का स्वाद बढ़ जाएगा। रसोई में पकने वाला पुलाव केवल पेट भरता है और ख्याली पुलाव से दिल !

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

शशांक दुबे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दोस्त का गला खखारना

इतवार की सुबह घर पर बैठा-बैठा रबर बैंड काटकर उसे मोबाइल के चार्जर के वायर पर लपेट कर उसे फिर से जिंदा करने की कोशिश कर ही रहा था कि एक पुराने मित्र का फोन आ गया। संयोग से स्पीकर ऑन था। सबसे पहले तो उसने मेरी तबीयत पूछी, जिसे मैंने ठीक न होने के बावजूद आदतन 'फर्स्ट क्लास' बताया। फिर उसने अपने किचन में टंगे पंचांग के अनुसार हाल ही में गुजरे 'आंवला अष्टमी' टाइप के किसी देसी त्योहार की बधाई दी। अभी उसने मूल विषय पर आने के लिए गला खखारा ही था कि फोन कट गया। तकनीकी भाषा में इसको 'कॉल ड्रॉप होना' बोलते हैं। अपन नॉन टेक्निकल लोग इसे 'पता नहीं यार इस दुष्ट फोन को क्या हो गया' जैसा कुछ तो भी कह देते हैं। चूंकि स्पीकर ऑन था, इसलिए सारी बात पास में अखबार खोलकर अनुलोम-विलोम कर रही पत्नी और लैपटॉप खोलकर अपने मोबाइल में झांक रही बेटी ने भी सुन ली। यूं हम तीनों प्राणियों को मेरी तबीयत या हाल ही में गुजरे उस देसी त्योहार से कोई मतलब नहीं था। जिज्ञासा तो बस एक ही थी कि गला साफ करने के बाद आखिर वह क्या कहने वाला था? सामने संभावनाओं और आशंकाओं का अनंत आकाश पसरा हुआ था। क्या पता, उसने अपनी भोली-भाली पत्नी के नाम से किसी बीमा कंपनी की एजेंसी ले ली हो और उसकी पॉलिसी टिकाना चाहता हो। हो सकता है, वह अपनी नव विवाहित पुत्री और दामाद को प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन की सैर कराने के लिए मेरी नई सेकंड हैंड कार उधार मांगना चाहता हो। इससे पहले कि मैं अपनी शंका पत्नी से साझा करता, वह अखबार परे कर आदेशात्मक लहजे में बोल पड़ी, 'यदि वो आपको आज शाम पार्टी के लिए बुलाने वाले हैं तो मेरी बात ध्यान से सुन लो। डॉक्टर साहब ने आपको सुबह के मित्र बढ़ाने और शाम के दोस्त घटाने के लिए साफ साफ बोल दिया है'। लगे हाथ बेटी ने भी रैगिंग ली, 'पापा, अंकल का बेटा पढ़ाई के लिए कनाडा जा रहा है। लगता है, अंकल लोन के लिए आपकी गारंटी मांग रहे होंगे। पर प्लीज़, आप बिलकुल मना कर देना, क्योंकि अगले महीने मैं भी आयरलैंड के लिए वीज़ा अप्लाई कर रही हूं। मुझे भी लोन लगेगा'। मैंने मां बेटी से बिना डरे समझाया, 'तुम लोग ख्वामख्वाह डर रहे हो। हो सकता है, वह अपनी नई कविता पर मेरी राय जानने के लिए गला साफ कर रहा हो। डरना तो मुझे चाहिए, एक अच्छे आदमी की बुरी कविता को बुरी बताकर कैसे उसका दिल दुखाऊँ और यदि अच्छा कहूं तो झूठ के पाप से कैसे बचूं?' तभी पत्नी ने कहा, 'क्या आज इतवार की छुट्टी हम केवल डर कर और गुस्सा होकर ही बिगाड़ लेंगे? इससे तो अच्छा था कि आप उनसे पूछ ही लेते, आखिर उन्होंने गला क्यूं खखारा था?'

बात तो पते की कही थी। मित्र को फोन लगाकर पूछ ही लिया, 'यार कुछ कहने वाले थे क्या? उस टाइम तो फोन ही कट गया'। उसने बताया, 'हां यार, तुमसे वाकई एक खास बात करनी थी। बस एक प्रॉब्लम में फंस गया था, लेकिन खैर... अब सॉल्व हो गई। और सुनाओ, भाभी जी कैसी हैं?...' इसके बाद उसने क्या कहा और मैंने क्या सुना, कुछ याद नहीं। 'राम-राम' करके जैसे-तैसे बात पूरी हुई। फोन रखते ही अब हम तीनों के सामने नया 'गैस गेम' था। आखिर प्रॉब्लम क्या होगी और उसका सोल्यूशन कैसे निकला होगा? शाम हो चली थी और हमारी रविवार की छुट्टी ड्राइंग रूम में ही खत्म हो चुकी थी।

ललित निबंध

डॉ. गरिमा संजय दुबे

लेखक साहित्यकार हैं।

विनय और शील का संयोजन ही अपराजिता कहलाता है

कोमलता ही पराजित नहीं की जा सकती, वह अजातशत्रु होती है, याकि उसकी कोमलता में इतनी दृढ़ता है जो उसे अपराजित बनाए रखती है । कदाचित कोमलता के इस दर्शन के कारण ही इस कोमलकांत सौम्य पुष्प का नाम अपराजिता रखा गया होगा । जो भी हो इस प्यारे से पुष्प से कौन अपरिचित है भला । हरसिंगार या पारिजात के पश्चात यही एक पुष्प ही जो उतना ही कोमल उतना ही आकर्षक है । यूं कौन सा पुष्प है जो कोमल न हो, किंतु इन दोनों पुष्पों की कोमलता विशिष्ट है । शृंगार, सौंदर्य, कोमलता । पुष्प भले ही पूर्लिंग माने या कहे जाते हों किंतु सभी पुष्प स्त्रियोचित गुणों से ही युक्त होते हैं या इसे थोड़ा परिवर्तित कर कहें तो स्त्रियां पुष्प गुण युक्त होती हैं, किसी पुरुष को पुष्प की संज्ञा या विशेषण कभी देते देखा है भला । यद्यपि लिंग निर्धारण का यहां कोई औचित्य नहीं तथापि लेखक की कल्पना को आप कैसे रोक सकेंगे, लेखक को यदि पुष्प स्त्रियोचित दिखाई देते हैं या स्त्रियां पुष्पगुण से सज्जित दिखाई देती हो तो क्या कीजियेगा ।

बचपन में जब कॉमिक्स पढ़ते थे तो किसी राजकुमार को नीले गुलाब को लाने का कार्य मिलता था, राजकुमारी को नीला गुलाब सुंघाकर ही ठीक किया जा सकता था । एक राजवैद्य प्रेमी राजकुमार को राह बताते थे और तिलस्म को पार करने के कुछ मंत्र देते थे, बड़ी उत्सुकता से पढ़ते हुए नीले गुलाब की कल्पना करते थे हम । कहानी तो रोचक होती ही थी किंतु नीले रंग का सम्मोहन भी कुछ कम नहीं होता था । यूं भी नीले रंग को सम्मोहन का ही प्रतीक माना जाता है, रहस्य, विस्तार, गहराई और अनुभूति के गाढ़े रंग को प्रदर्शित करना हो तो अक्सर चित्रकार नीले रंग को प्राथमिकता देते हैं । नीले में छाई हल्के से काले रंग की झलक इसे और रहस्यमय बना देती है ।

फूलों में बहुधा नीला रंग नहीं दिखता, आकाश और जल में नीले की प्रधानता है । समस्त देवी देवताओं के रहस्यमय आध्यात्मिक स्वरूप नीलवर्ण में ही रहें हैं, कृष्ण हो या दुर्गा, काली हो या शनिचर, श्यामवर्णी श्री राम हो या शेषशायि श्री हरि, गौरांग कर्पूर के रंग के महादेव के गौर वर्ण के साथ भस्म का लेप उन्हें भी नीलवर्णी बना देता है। तो नीले रंग के सम्मोहन से तो देवता भी न बचे तो हम मनुष्य किस खेत की मूली हैं ।

ऐसा ही एक सम्मोहक पुष्प है अपराजिता, अपराजिता जिसे कोई पराजित न कर सके, इस नीले आकर्षक पुष्प को अपराजिता क्यों कहा गया होगा भला, इतना कोमल किंतु अपराजित । ऐसी कौन सी दृढ़ता या चारित्रिक विशेषता है इसमें जो यह अपराजिता कहलाया ?

क्या कोमलता कभी अपराजित रह सकती है ? यह प्रश्न इसलिए भी मन में आता है कि हमारी बुद्धि कोमलता को विवशता या अशक्त होने का पर्याय मान लेती है । जो जानते हैं वह यह जानते है कि कोमल होने और अशक्त होने में बड़ा भेद है। अशक्त कभी इतना आकर्षक हो ही नहीं सकता । अशक्तता में एक दैन्य है, कोमलता, मृदुता में एक गरिमा, एक अदम्य आकर्षण । इसलिए इस संसार में चाहे कितने भी वज्र कठोर भाव पराजित किए जा सकते हों, कोमलता और सरलता पराजित नहीं की जा सकती, कोमलता और सरलता के आगे कठोरता को प्रायः पराजित होते देखा है ।

कोमलता ही पराजित नहीं की जा सकती, वह अजातशत्रु होती है, याकि उसकी कोमलता में इतनी दृढ़ता है जो उसे अपराजित बनाए रखती है ।

कदाचित कोमलता के इस दर्शन के कारण ही इस कोमलकांत सौम्य पुष्प का नाम अपराजिता रखा गया होगा ।

जो भी हो इस प्यारे से पुष्प से कौन अपरिचित है भला । हरसिंगार या पारिजात के पश्चात यही एक पुष्प ही जो उतना ही कोमल उतना ही आकर्षक है । यूं कौन सा पुष्प है जो कोमल न हो, किंतु इन दोनों पुष्पों की कोमलता विशिष्ट है । शृंगार, सौंदर्य, कोमलता । पुष्प भले ही पूर्लिंग माने या कहे जाते हों किंतु सभी पुष्प स्त्रियोचित गुणों से ही युक्त होते हैं या इसे थोड़ा परिवर्तित कर कहें तो स्त्रियां पुष्प गुण युक्त होती हैं, किसी पुरुष को पुष्प की संज्ञा या विशेषण कभी देते देखा है भला । यद्यपि लिंग निर्धारण का यहां कोई औचित्य नहीं तथापि लेखक की कल्पना को आप कैसे रोक सकेंगे, लेखक को यदि पुष्प स्त्रियोचित दिखाई देते हैं या स्त्रियां पुष्पगुण से सज्जित दिखाई देती हो तो क्या कीजियेगा ।

यूं अपराजिता को तंत्र शास्त्र में विजय की आकांक्षा के साथ पूजने का विधान है । यह सर्वप्रिय पुष्प है, इस पुष्प को सबने स्वीकार किया, इसके सौंदर्य और माधुरी ने महादेव को भी रिझाया, तो शनिदेव को भी मना लिया, इसने दुर्गा को मोहा तो श्री हरि विष्णु को भी लुभाया, पार्वती तो इसके सौंदर्य पर आसक्त ही हो गईं होंगी, श्वेत परिधान पर नील पुष्प अपराजिता के आभूषण का संयोजन उनके सौंदर्य को और द्विगुणित कर गया होगा । अप्सराओं ने भी इसके आभूषण धारण कर इंद्र की सभा में नीले रंग का चमत्कार उत्पन्न कर दिया होगा ।

यूं धरती, आकाश और जल ये तीन तत्व तो नीले रंग में रंगे ही हैं, मनुष्य का मन भी नीलाभ होता है क्या, उतना ही गहरा, उतना ही रहस्यमय । सृष्टि रचने वाले ने नीले रंग की महत्ता जान इस पुष्प को नीला रंग दिया या इसका नीला रंग देखकर यह रंग अस्तित्व में आया कौन पता लगाए ।

इसके सुंदर नामों में विष्णुकांता, गोकर्णी, शंखपुष्प आदि मान्य हैं । गाय के कान जैसे आकार के करना इसे गोकर्णी कहा जाता है ।

इस पुष्प को जीवन का, संतति का और यौनिक शक्ति का प्रतीक भी माना जाता है इसलिए इसे भगपुष्प या योनिपुष्पा भी कहा जाता है । कामख्या देवी में देवी के योनि भाग को पूजने वाली संस्कृति ने कभी काम का निषेध नहीं किया, काम जीवन को संचालित करने वाले शक्ति के रूप में मान्य है किंतु उस शक्ति के साथ पवित्रता का, कोमलता का भी भाव अपेक्षित है इसलिए पूजने का विधान है । अपराजिता उसी शक्ति को समर्पित भी तो है, वह जीवनी शक्ति जो कभी पराजित नहीं हो सकती । इतने कोमल पुष्प से जीवनी शक्ति काम की साम्यता का कोई तो अर्थ होगा । केवल देह तक दृष्टि रखने वालों को शक्ति की और शक्ति के प्रयोग या प्रदर्शन की कामना होती होगी, किंतु जो मन से लेकर आत्मा तक का स्पर्श चाहते हैं वे निश्चित ही कोमलता के आग्रही होते हैं । प्रेम से अधिक कोमल और क्या, और उसी प्रेम से उपजी कामना में कोमलता का स्थान यदि न हो तो वह अत्याचार व्यभिचार हो जाती है । तो कदाचित अपराजिता को जीवन की काम शक्ति के प्रतीक के रूप में मान्य करने के पीछे यह कारण भी दिखाई देता है कि जीवन की रचना करने वाली, सृष्टि को जन्म देने वाली शक्ति का प्रयोग बहुत सौम्यता, धैर्य, संयम और कोमलता की मांग करता है, तभी वह आनन्द है, केवल तभी वह उत्सव है, केवल तभी वह सृजन है अन्यथा वह विध्वंसक शक्ति है जो न केवल प्रेम को अपितु चरित्र, मर्यादा, संस्कृति सबका विनाश कर देती है ।

जब जब स्त्री के लिए कोई सशक्तिकरण का नाम सुझाया जाता है तो अनायास ही अपराजिता स्मृति पर दस्तक देती है । अपनी नम्रता, अपने शृंगार में भी दृढ़ जो है वह अपराजिता है । अपराजिता अपने स्त्रीत्व को नहीं त्यागती, वह अपने संपूर्ण स्त्रीत्व के साथ अपनी शक्ति और महत्ता को स्थापित करती है, जैसे कहना चाहती हो अपनी शक्ति को स्थापित करने के लिए अपने मूल स्वरूप को त्यागने की आवश्यकता नहीं होती, अपने नैसर्गिक प्राकृतिक स्वरूप में भी कोई बहुत आकर्षक, बहुत शक्ति सम्पन्न, बहुत दृढ़ दिखाई दे सकता है ।

तंत्र शास्त्र में देवी अपराजिता के लिए भी इस पुष्प का साधना में प्रयोग होता है, कदाचित इसलिए इसका नाम अपराजिता हुआ हो,

'सम्मोहिनी नीलपताके महानीले', वहां भी देवी के नीलवर्ण की नील पुष्प से रहस्यमय साधना का उल्लेख मिलता है । चौंसठ मातृका और अष्ट योगिनियों में भी एक देवी अपराजिता है । हो सकता है कि उनके नाम और शक्ति से इस पुष्प का कोई संबंध हो ।

हर युद्ध में, हर क्षेत्र में विजय की आकांक्षा रखकर उस पुष्प को समर्पित किया जाता है । महादेव शनिचर और दुर्गा की पूजा के समय जब इस पुष्प को अर्पित किया जाता है तो रोमांच और कौतुक से यह भाव मन में आता है कैसा अनोखा मुलायम, रेशम सा पुष्प और इसके द्वारा शक्ति का आह्वान यह कैसी उलटबांसी है, किंतु यह ब्रह्मांड ऐसी न जाने कितनी उलटबांसियों से भरा हुआ है जो बुद्धि को हर दिन चुनौती देती है । इस पुष्प के आस पास रहस्य का अनोखा आवरण इसे अधिक आकर्षक बनाता है, इसके सम्मोहन को और बढ़ाता है । नीले रंग की गहराई और उदारता के साथ यह पुष्प सौंदर्य का एक कोमल राग रचता है । इस पुष्प में कोई चटक मटक नहीं, न ही इसका रूप बहुत शोर करता है, किसी को आकर्षित करने की कोई होड़ नहीं, इसमें कोई सुगंध नहीं जिससे आकर्षित होकर कोई इसे खोजने लगे । बहुत बड़ा आकार, चमकीला रंग संयोजन भी नहीं, यह एक लजीला, छुई मुई सा पुष्प है जो बहुधा अपनी लता की हरी पत्तियों की ओट में अपने को छुपा लिया है । इसे खोजना पड़ता है, जैसे इन दिनों सरलता, सहजता, लज्जा, संकोच, सौम्यता, शील को खोजना पड़ता है । यह संकोची पुष्प अपने इन्हीं गुणों के कारण सर्वप्रिय है, अपनी आभा को अपने में समेटे, उसे किसी अन्यथा प्रदर्शन का साधन न बना विनीत भाव से खिलता है, शांति से पल्लवित होता है और सहजता से तिरोहित हो जाता है।

अपराजिता अपने संकोच, लज्जा और मृदु उपस्थिति से एक विनय, समर्पण और सज्जनता का प्रभाव उत्पन्न करता है। यह पुष्प जगत में भद्र और मृदु पुष्प माना जाता है, उतरा तो हरसिंगार और मधुकामिनी के साथ था स्वर्ग से, किंतु हरसिंगार अपने झरने में वैशिष्ट्य की सृष्टि करता है, मधुकामिनी अपनी गंध से संसार को मोह लेती है, किंतु अपराजिता अपने प्रभाव को लेकर इतना आश्वस्त है कि वह इनमें से किसी भी साधन को उपयोग में नहीं लाता, वह निर्लिप्त योगी सा एकांत में खिलता है, उसे संसार को मोहने का जतन नहीं करना होता क्योंकि वह विजेता है, उसने संसार के सब प्रभाव जीत लिए हैं या संसार के कोई प्रभाव उसे प्रभावित नहीं कर पाता, संसार के हर आकर्षण उसके आगे नत मस्तक हो जाते हैं और वह अपराजिता बन विजेता होने के अहंकार से मुक्त हो अपनी सौम्य उपस्थिति दर्ज करवाता रहता है ।

जैसे बहुत कोलाहल और शोर में अचानक कोई शांत उपस्थिति मन मोह लेती हो, बहुत सी कर्कश ध्वनियों के बीच कोई सुकोमल, धीर, गंभीर स्वर आपको आकर्षित करता है, बहुत प्रदर्शनप्रीय चटक रंगों के दिखावे के बीच कहीं कोई सादगी की मूरत मन को रिझा ले, बहुत वाचाल कन्याओं के झुंड में कोई मौन मुस्कुराहट से शांत बैठी कन्या दृष्टि को बांध लेती है, बहुत दिखावे और हड़बड़ी के बीच बहुत धीरमति का जो प्रभाव होता है, जैसे बहुत से विचलन के बीच कोई अडिग अविचल निश्चल, निर्विकार खड़ा हो, बहुत सारे कामी मनुष्यों के बीच कोई चरित्रवान हो, कामनाओं को जगाने वाले सभी संसारी तत्वों के बीच जैसे कोई कामनाओं का शमन करने की त्वरा जगा दे, बहुत सारे संसारी लोगों के बीच जैसे किसी सन्यासी, यति, योगी, तपस्वी की उपस्थिति और उनका वैराग्य जो सम्मोहन रचता है, ठीक वैसे ही यह सलज्ज, संकोची, धीर, स्थिरमति पुष्प अपनी विनयशील किंतु बहुत प्रभावी उपस्थिति दर्ज करवाता है। विनय सदा अपराजित ही होती है, विनय और शील का संयोजन ही अपराजिता कहलाता है।

ट्रैवलॉग चर्चा

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

हज्जाम की दुकान पर घुमक्कड़

निर्माण कार्य और सृजन प्रक्रिया को निहारने का अपना अलग सुख होता है। बात चाहे वैज्ञानिक प्रक्रिया की हो, किस्सागोई की हो, भवन निर्माण की हो या सड़क निर्माण के लिए भूमि समतलीकरण की, लोग जमा होकर पल पल में घटने वाली गतिविधि को जानने को उत्सुक हो जाते हैं। ठीक उसी तरह केश कर्तनालय में हेयर कटिंग प्रक्रिया को देखना भी हमेशा से सबको मोहता रहा है। यूट्यूब पर घुम्मकड़ों द्वारा बनाए विडियोज में बारबर शॉप या सैलून में उनको अपने केश कटवाते देखना भी बड़ा आनंददायी होता है।

जिन लोगों ने घुमक्कड़ी को ही अपने जीवन का मुख्य ध्येय बना लिया है, उनके बनाए यूट्यूब वीडियो ब्लॉग्स को देखकर महसूस किया है कि वे कई कई महीनों तक अपने घर या अपने वतन से दूर रहते हैं। एक देश से दूसरे देश की यात्राएं करते हुए ही उनका जीवन आगे बढ़ता रहता है। यही उनका प्रोफेशन हो जाता है,और प्रायः विडियो निर्माण या यूट्यूब आदि पर उनके ब्लॉग्स से होने वाली आय ही उनका आर्थिक सहारा हो जाता है।

सामान्य दर्शकों और अपने फॉलोअर्स को दुनिया भर की मानस यात्रा और पर्यटन का आभासी सुख देने वाले इन युट्यूबर्स की रोजमर्रा की अनेक गतिविधियों, उनकी जरूरतों, कठिनाइयों को भी हम इनके विडियोज के जरिए महसूस कर पाते हैं। इनका होस्टलों, गुरुद्वारों, महंगी होटलों से लेकर किसी मेहमान या काउच सरफर के घर रुकना, ठहरना, खाना बनाना, खाना पीना भी पूरक रूप से हमारा खूब मनोरंजन करता है।

लंबे समय तक जब केवल घुमक्कड़ी करते हुए भटकते रहते हैं, तब अचानक इन्हे एक दिन परदेस के अजनबी शहर में इस बात का भान होता है कि इनके विडियोज की तरह इस दौरान सिर और दाढ़ी के बाल भी बढ़ते चले गए हैं तो ये लोग भी किसी स्थानीय बारबर या सैलून की तलाश करते नजर आते हैं। हमने महसूस किया है कि लगभग सभी ट्रेवल ब्लॉगर्स बारबर शॉप पर जाकर अपने बालों को कटवाने, हजामत बनवाने, मसाज करवाने के विडियोज बहुत रुचि से बनाते हैं। ये विडियोज भी बहुत दिलचस्प होते हैं, इनको देखना भी बहुत अच्छा लगता है। अनावश्यक को हटा देना ही सौंदर्य की प्राथमिक शर्त होती है। एक दो घंटे सैलून में बिताकर ये घुमक्कड़ पुनः बाहर निकलते हैं तब उनकी आभा देखते ही बनती है।

यों देखा जाए तो आम आदमी के जीवन और समाज में हज्जाम, बारबर या नाई की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिन कलाकारों के बगैर हमारी दैनंदिनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो सकती, उनमें हमारे व्यक्तित्व की सज्जा करने वाला यह भी एक प्रमुख प्राणी होता है। कई फिल्मों, नाटकों, टीवी शो में भी बारबर या नाई को केंद्र में रखकर कई दृश्य रचे गए हैं। ख्यात फिल्म शोले की जेल के खबरी हरिराम नाई को याद कीजिए, जो जेलर को पल पल की खबरें पहुंचाता रहता है। ख्यात हास्य चरित्र मिस्टर बीन के उस दिलचस्प दृश्य को याद कीजिए जहां खुद हजामत बनवाने जाते हैं और सैलून में हज्जाम की अनुपस्थिति में अन्य लोगों के अजीबो गरीब हरकतों के साथ बाल काटते हुए दर्शकों को खूब हंसाते हैं। घुमक्कड़ों द्वारा बारबर शॉप या सैलून में बाल कटवाने और मसाज के ये विडियो भी बहुत दिलचस्प और रुचिकर होते हैं।

कई बार ब्लॉगर और हज्जाम दोनों ही एक दूसरे की भाषाएं नहीं जानते। तब बड़ी मुश्किल से यूट्यूबर अपनी पसंद बता पाता है। कई बार बड़ी हास्यास्पद कटिंग और हेयर स्टाइल बन जाती है। कई सैलून में घंटो प्रतीक्षा के बाद मुख्य नाई ग्राहक के सिर को संवारता है, इसके पूर्व अन्य कई नौसिखिया स्त्री पुरुष सिर का खेत जोत चुके होते हैं। लेकिन शानदार फेस मसाज और हेड मसाज के बाद हर यूट्यूबर के चेहरे पर खुशी चमकने लगती है। एक शानदार और रोचक कंटेंट वाला वीडियो हमारे लिए बनकर तैयार हो चुका होता है।

घुमक्कड़ी में बाल कटवाने वाले विडियोज में मुझे अजरबैजान के दाऊद अकुंदजादा के ब्लॉग्स सबसे अलग और संवेदनाओं से भरपूर लगे। उनकी प्रस्तुतियों में कई बार बड़ी मार्मिकता और उदारता के दर्शन होते हैं। दाऊद बहुत उदार, दयालु और संवेदनशील प्रकृति के घुमक्कड़ हैं। दाढ़ी रखते हैं, कई विडियोज में उन्हें बारबर शॉप पर जाकर बाल कटवाते, दाढ़ी संवरवाते, मसाज करवाते देखा जा सकता है।

विकासशील देश के एक कस्बे के भ्रमण के दौरान वे हेयर कट करवाने बेहद खस्ताहाल शॉप में पहुंचते हैं। बारबर को अंग्रेजी भाषा नहीं आती, दाऊद को स्थानीय बोली नहीं आती। किंतु इशारों और मुस्कुराहटों से बात बन ही जाती है। दाढ़ी की मात्र स्ट्रीमिंग कराने गए दाऊद उसके काम से इतने प्रभावित हो जाते हैं कि न सिर्फ हेड मसाज कराते हैं बल्कि फेस मसाज और बॉडी मसाज भी उस बेहद साधारण से सैलून में करवाकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। बाद में उस कलाकार को मेहनताना तो देते ही हैं किंतु इससे आगे बढ़कर एक बहुत बड़ी राशि उसकी शॉप के नवीनीकरण के लिए भी भेंट कर देते हैं। इस बार दाउद के चेहरे की ताजगी से कहीं अधिक चमक बारबर की आंखों में दिखाई पड़ती है। यूट्यूबर की दयालुता देखकर हम जैसे भावुक दर्शकों की आंखे भर आती हैं। ऐसे ही सड़क किनारे किसी पेड़ की छांव में दुकान लगाए एक आम और गरीब नाई से दाढ़ी संवारने पहुंचने में उन्हें कोई झिझक नहीं होती। जरा सी लाइनिंग करवाने के बहाने वे अफगानिस्तान, बांग्ला देश, श्रीलंका,भारत आदि देशों में शहरों की सड़कों की पटरी पर बैठे कारीगर, कलाकारों की मदद करते हैं, उन्हे प्रेम से गले लगाते हैं, परिवार के दुख दर्द जानने की आत्मीयता दिखाते हैं। मन भाव विभोर हो उठता है। वीडियो किसी सार्थक और मार्मिक कविता में बदलता जाता है। एक आम यूट्यूबर किसी रचनाकार में रूपांतरित हो जाता है। सृजनात्मकता की यही उपस्थिति हमारे वीडियो ब्लॉग्स अवलोकन को संतुष्टि से भर जाती है।

अंकुरण

सत्येन्द्र पाण्डेय

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

रीना शाक्य : एक बेहतर दुनिया के लिए बदलाव की आवाज़

रीना का जन्म दलित समुदाय में हुआ । उनके पिता मजदूर आंदोलन से जुड़े थे और मां सरकारी स्कूल में शिक्षिका रहीं । रीना को अपने परिवार का पूरा सहयोग मिला जीवन की ऊँची उड़ान के लिए । बचपन से ही रीना ने देखा कि जातिगत भेदभाव कितना गहरा है । उनकी मां को शिक्षिका होने के बावजूद सहकर्मियों से बराबरी का व्यवहार नहीं मिला—स्कूल के स्टाफ उनके साथ बैठकर खाना तक नहीं खाते थे । यही नहीं, जब परिवार ने ग्वालियर की एक कॉलोनी में घर खरीदा, तो दबंग जातियों ने उनके पिता और भाई पर जातिसूचक शब्दों से हमला किया । इन घटनाओं ने रीना के भीतर सवाल खड़े किए और वह समाज की असमानताओं को लेकर सजग होती चली गईं । 10वीं कक्षा के बाद ही उन्होंने छात्र राजनीति में कदम रखा और एसएफआई से जुड़कर मुद्दों आधारित छात्र राजनीति को करीब से समझा ।

अक्सर हमें अनेक लोग यह कहते हुए सुनाई देते हैं कि अब हमारा देश विकसित हो गया है और यहाँ जाति या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता है। यह भी अक्सर सुनने में आता है कि जिन परिवारों को सम्मानजनक रोजगार मिल गया है उनके साथ भेदभाव खत्म हो गया है परन्तु रीना शाक्य की जीवन यात्रा यह बताती है कि यह एक आंशिक सच्चाई है और आज भी दलित परिवार में महिला होने की सच्चाई एक एक ऐसी बात है जिसे आसानी से समझा नहीं जा सकता भले ही वह उच्च शिक्षित और नौकरीपेशा परिवार से ताल्लुक रखती हो।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर की रहने वाली रीना शाक्य आज देशभर में महिला अधिकारों और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली एक मजबूत आवाज़ बन चुकी हैं।

रीना का जन्म दलित समुदाय में हुआ। उनके पिता मजदूर आंदोलन से जुड़े थे और मां सरकारी स्कूल में शिक्षिका रहीं। रीना को अपने परिवार का पूरा सहयोग मिला जीवन की ऊँची उड़ान के लिए. बचपन से ही रीना ने देखा कि जातिगत भेदभाव कितना गहरा है। उनकी मां को शिक्षिका होने के बावजूद सहकर्मियों से बराबरी का व्यवहार नहीं मिला–स्कूल के स्टाफ उनके साथ बैठकर खाना तक नहीं खाते थे। यही नहीं, जब परिवार ने ग्वालियर की एक कॉलोनी में घर खरीदा, तो दबंग जातियों ने उनके पिता और भाई पर जातिसूचक शब्दों से हमला किया।

इन घटनाओं ने रीना के भीतर सवाल खड़े किए और वह समाज की असमानताओं को लेकर सजग होती चली गई। 10वीं कक्षा के बाद ही उन्होंने छात्र राजनीति में कदम रखा और एसएफआई से जुड़कर मुद्दों आधारित छात्र राजनीति को करीब से समझा।

रीना ने अंतरजातीय विवाह किया। इस दौरान भी उन्हें जातिगत पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ा। एक बार बयान दर्ज कराते समय उस समय के एसडीएम ने उनके पति से कहा–'तुम्हें अपनी जाति में कोई लड़की नहीं मिली?' यह टिप्पणी उनके लिए चौंकाने वाली थी, लेकिन रीना ने इसे हतोत्साहित होने के बजाय और मजबूत बनने का अवसर माना।

रीना शाक्य ने जनवादी महिला समिति से जुड़कर महिलाओं के अधिकारों के लिए काम किया और साथ ही जाति व लैंगिक भेदभाव दोनों को करीब से समझा। उनकी प्रेरणा स्त्रोत रही सावित्री बाई फुले। उन्हीं के सपनों को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर नींव शिक्षा जनकल्याण समिति की स्थापना की और सावित्री बाई फुले पाठशाला की शुरुआत की। आज यह पाठशाला ग्वालियर के 13 स्थानों पर संचालित है, जहां हाशिए पर खड़ी लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा और नेतृत्व के अवसर दिए जा रहे हैं। रीना बताती हैं कि उनका उद्देश्य सिर्फ़ पढ़ाई तक सीमित नहीं है बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना विकसित करना भी है।

इसी सोच के साथ 10 दिसंबर 2015, विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर नींव शिक्षा जनकल्याण समिति की स्थापना की गई, जिसका सपना था वंचित समुदायों के अधिकारों की मजबूत नींव खड़ी करना। आज दस वर्ष बाद यह सपना साकार रूप लेता दिख रहा है। दलित और आदिवासी समुदाय से आए नवयुवक-युवतियां न सिर्फ नींव की नेतृत्व टीम का हिस्सा बने हैं, बल्कि देश के विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों से

भी जुड़ चुके हैं। वंचित समुदाय के युवाओं ने मिलकर 'यंग मंच' का गठन किया है, जिसमें अब तक एक हज़ार से अधिक युवक-युवतियां सक्रिय हैं। कुछ युवाओं ने 'उड़ान नाटक मंडली' बनाई है, जो सामाजिक मुद्दों पर नाटक के माध्यम से आवाज़ उठा रही है। इसी तरह 1240 से अधिक किशोरियों को संगठित कर 'जागोरी किशोरी' समूह बनाया गया है, जबकि एक हज़ार से अधिक बच्चे लर्निंग सेंटर से जुड़ चुके हैं और सौ से अधिक बच्चों को शिक्षा का अधिकार कानून के तहत स्कूलों में प्रवेश दिलाया गया है। वहीं, महिलाओं ने 'महिला समूह' बनाकर अपने गांव और बस्तियों में न सिर्फ़ अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाई है, बल्कि अपने हक को हासिल भी किया है। एक छोटे से बीज के रूप में शुरू हुई यह पहल आज वंचितों के लिए एक मजबूत वटवृक्ष का रूप ले चुकी है।

माहवारी और स्वास्थ्य सुविधाओं पर अभियानः रीना का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है माहवारी से जुड़ा स्वास्थ्य और सुविधाएँ। इस विषय के प्रति उनका लगाव निजी अनुभव से निकला।

'मुझे पहली बार पीरियड्स स्कूल में ही आए थे। मैं उस दिन सफेद फ्रॉक पहनकर गई थी। खून के धब्बे दिखने पर बच्चे इशारे करने लगे और मैं घबराकर शर्मिंदगी से भर गई। उस घटना का असर इतना गहरा था कि मैंने अक्सर माहवारी के दौरान स्कूल जाना ही छोड़ दिया।'

इस अनुभव ने उन्हें समझाया कि माहवारी से जुड़ी समस्याएँ सिर्फ़ शारीरिक नहीं बल्कि सामाजिक भी हैं। इसी कारण उन्होंने इस मुद्दे को अपने काम का अहम हिस्सा बनाया। जब देश में सैनेटरी पैड पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया था, तो रीना और उनके संगठन ने सड़कों पर उतरकर इसका विरोध किया। रैलियों और प्रदर्शनों ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना दिया। शालाओं में लड़कियों के लिए निशुल्क सेनेटरी पैड्स उपलब्ध कराने के लिए रीना शाक्य के नेतृत्व में एक देशव्यापी ऑनलाइन अभियान संचालित किया गया जिसमे लाखों लोगों ने उनकी बात का समर्थन किया। आज उनकी कोशिशों का असर दिख रहा है। कई क्षेत्रों में लड़कियों के खातों में माहवारी संबंधी सुविधाओं के लिए 300 रुपये की सहायता राशि पहुँच रही है।

रीना शाक्य को उनके योगदान के लिए राष्ट्रीय मंच पर भी पहचाना गया है। वह नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया के कार्यक्रम अंकुरण की प्रतिभागी रही हैं। इस कार्यक्रम के साथ भागीदारी ने उन्हें अपनी संस्था नीव की संस्थागत प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में सहायता मिली। वहीं, हाल ही में उन्हें सी.आई.आई. फाउंडेशन के 2025 के वुमन एग्ज़ाम्पलर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। रीना कहती हैं कि उनकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। 'मेरा सपना है कि हर लड़की बिना डर और भेदभाव के स्कूल जा सके और हर महिला अपनी बात खुलकर रख सके। जब तक यह सपना पूरा नहीं होगा, मेरा काम जारी रहेगा।'

आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति ग्रामीणों के साथ करता है गाली-गलौच और मारपीट

ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर की कार्यवाही की मांग

बैतूल। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर ग्राम के ही एक आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति पर कार्रवाही किये जाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि राजेश सूर्यवंशी अपराधी प्रवृत्ती का व्यक्ति है जो आये दिन गाली गलौच, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देता है। जिसमें उसका सहयोग उसका पूरा परिवार करता है। विगत दिनों ग्राम पंचायत सरपंच एवं उनके पुत्र शिवम के साथ गाली गलौच, मारपीट एवं जान

से मारने की धमकी दी। फिर मदन टिकमें एवं गोविन्द टिकने से राजेश एवं उसके भाई सिताराम सूर्यवंशी ने गाली गलौच मारपीट एवं जान से मारने की धमकी दी एवं उसके परिवार की महिलाओं ने रेप केश में फसाने एवं पास्को एक्ट में फसाने की धमकी दी। उक्त व्यक्ति द्वारा विशाल टिकमे पिता रामनाराण टिकमे के साथ भी मारपीट की। आज ऋषिराम टिकमे पिता राजाराम ठिकमे को खेत में जाते समय उसके घर के सामने रोका एवं उनसे भी मारपीट एवं गाली गलौच की और सभी को एससी/एसटी एक्ट में फसाने की धमकी देता है। ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपकर सीताराम सूर्यवंशी, राजेश सूर्यवंशी पर उचित कार्यवाही किये जाने की मांग की।

ट्रेवलर बस हाईवे से उतरी, महिला का पैर फ्रैक्चर

बैतूल। नागपुर-भोपाल हाईवे पर बुधवार देर रात करीब तीन बजे महिलाओं से भरी ट्रैवलर बस बेकाबू होकर हाईवे से नीचे उतर गई और सीमेंटेड नाली से टकराकर रुक गई। हादसे में एक महिला को गंभीर चोट लगी है, जबकि अन्य 25 महिलाओं को मामूली चोटें आई हैं। बस में कुल 30 महिलाएं सवार थीं। हादसे के बाद मौके पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने घायलों को तत्काल एंबुलेंस से बैतूल अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार नागपुर

से होशंगाबाद जा रही ट्रैवलर बस नीमपानी के पास बेकाबू होकर हाईवे किनारे बनी सीमेंट सड़क से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का दरवाजा जाम हो गया और महिलाएं अंदर फंस गईं। इस दौरान आग लगने जैसी स्थिति भी बन सकती थी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हादसे में एक महिला का पैर फ्रैक्चर हो गया, वहीं 25 को मामूली चोट आई। घटना के दो मिनट के भीतर ही शाहपुर थाना पुलिस की गश्ती टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने बिना देर किए इमरजेंसी गेट खोला और एक-एक कर सभी महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को तत्काल एंबुलेंस से बैतूल अस्पताल भेजा गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में प्रधान आरक्षक शिवलाल कलमें, आरक्षक नीरज पांडे और प्राइवेट ड्राइवर छुट्टन ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस चालक की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ।

पूर्व सांसद एवं लोकतंत्र सेनानी श्री आहूजा का श्रद्धांजली कार्यक्रम आज

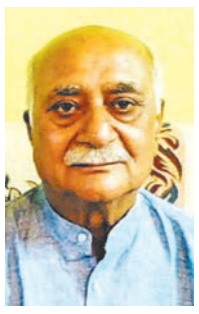

बैतूल। बैतूल के पूर्व सांसद एवं लोकतंत्र सैनानी स्व. सुभाष आहूजा का विगत दिनों आकस्मिक निधन हो गया था। जिनका श्रद्धांजली कार्यक्रम एवं पगड़ी रस्म आज 29 अगस्त शुक्रवार को शाम 3 से 4 बजे तक वृंदावन गार्डन कॉलेज रोड बैतूल में आयोजित किया जाएगा। यहां उल्लेखनीय है कि बैतूल के पहले गैर कांग्रेसी सांसद स्व. सुभाष आहूजा का जन्म 30 मार्च 1950 को हुआ था। छात्र राजनीति से ही अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले श्रीआहूजा 1975 में आपातकाल के दौरान मीसा बंदी बने और 19 महीने जेल में रहे। आपातकाल हटने के बाद 1977 में जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में बैतूल से लोकसभा चुनाव जीता और दिग्गज कांग्रेस नेता एन.के.पी. साल्वे को हराया। उस समय वे 27 वर्ष की उम्र में संसद के सबसे युवा सांसद बने थे। स्व. आहूजा भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री भी रहे और संगठन में उस समय स्व. प्रमोद महाजन के सीनियर थे। उन्होंने पार्टी के अंदर कई सालों तक सक्रिय भूमिका निभाई और युवाओं को राजनीति व रोजगार के अवसरों से जोड़ा।

पिछले 24 घंटे के दौरान 17.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले की औसत वर्षा 1083.9 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 739.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 848.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 28 अगस्त 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 17.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 28 अगस्त 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील बैतूल में 0.0, घोड़ाडोंगरी में 0.0, चिचोली में 12.0, शाहपुर में 10.0, मुलताई में 0.0, प्रभात पट्टन में 11.0, आमला में 66.0, भैंसदेही में 0.0, आठनेर में 17.3 तथा भीमपुर में 55.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

जलस्तर को बरकरार रखने कटेंगे नीलगिरी के पेड़

बदले में लगेंगे दूसरे पेड़, परिषद के सम्मेलन में प्रस्ताव पास

बैतूल। हर साल गर्मी आते ही शहर में भूमिगत जलस्तर चिंताजनक स्तर तक गिर जाता है। हालात यह हैं कि कई इलाकों में जलस्तर 25 मीटर से भी नीचे चला जाता है। जिसके कारण बोर और ट्यूबवेल जवाब दे देते हैं। विशेषज्ञों और नगर पालिका के अनुसार, इसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें नीलगिरी के पेड़ प्रमुख माने जा रहे हैं। यही कारण है कि नगरपालिका परिषद के विशेष सम्मेलन में नीलगिरी के पेड़ों को कटवाने का प्रस्ताव पास किया गया है। नगर पालिका का मानना है कि नीलगिरी का वृक्ष अत्यधिक पानी सोखता है, जिससे भूमिगत जलस्तर पर नकारात्मक असर पड़ता है। कई इलाकों में जलस्तर 25 मीटर से भी नीचे चला जाता है, जिससे हैंडपंप और कुएं सूखने लगते हैं। नागरिकों को पेयजल के लिए टैंकरों पर निर्भर होना पड़ता है। नगरपालिका का मानना है कि जलस्तर गिरने के कई कारण हैं अत्यधिक बोरवेल, जल संरक्षण की कमी, और वर्षा जल का सही तरीके से संचयन न होना, लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा कारण नीलगिरी के पेड़ों

को माना जा रहा है। ये पेड़ अपनी गहरी और फैलावदार जड़ों के माध्यम से बड़ी मात्रा में पानी सोख लेते हैं, जिससे आसपास की मिट्टी और भूजल दोनों पर असर पड़ता है।

पेड़ों की पहचान और गणना के लिए होगा सर्वे

नगरपालिका परिषद की बैठक में विषय यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में तय किया गया कि शहर के विभिन्न वार्डों में लगे नीलगिरी के पेड़ों की पहचान और गणना के लिए सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के आधार पर पेड़ों को चिन्हित करने के बाद इन्हें काटा जाएगा। नगरपालिका ने यह भी स्पष्ट किया कि कटाई केवल उन्हीं क्षेत्रों में की जाएगी, जहां नीलगिरी के पेड़ जलस्तर पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। पेड़ों को काटने के बाद उसी स्थान पर स्थानीय और जल संरक्षण में सहायक प्रजातियों के पौधे जैसे नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन और सहजन आदि लगाए जाएंगे।

प्राकृतिक रूप से अधिक सोखते हैं पानी

जानकार बताते है कि नीलगिरी के पेड़ प्राकृतिक रूप से अधिक पानी सोखते हैं। इनकी जड़े 30-40 मीटर गहराई तक जाती हैं, जिससे ये भूमिगत जल को लगातार खींचते रहते हैं। यही कारण है कि इन्हें जल की कमी वाले इलाकों में लगाने की सलाह नहीं दी जाती। कई वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि नीलगिरी के पेड़ आसपास की नमी और मिट्टी की गुणवत्ता पर भी असर डालते हैं। नगर पालिका का कहना है कि इनकी जगह पर्यावरण के अनुकूल और जल संरक्षण में सहायक प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे, जिससे हरियाली भी बनी रहे और जलस्तर पर नकारात्मक असर न पड़े।

पूर्व में काटे थे नीलगिरी के पेड़

पूर्व में नगर पालिका क्षेत्र में नीलगिरी के पेड़ों को हटाने की कार्रवाई की गई। जिला अस्पताल कैंपस में लगे करीब आधा दर्जन नीलगिरी के पेड़ों को काटा गया। अधिकारियों के अनुसार, इन पेड़ों की जड़ें गहराई तक पानी खींच लेती हैं, जिससे भूमिगत जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही थी। स्थानीय लोगों ने भी बताया कि पेड़ों पर बड़ी संख्या में बगुले बैठते थे, जिनकी बीट से अस्पताल परिसर में आने-जाने वाले मरीज और परिजन असुविधा का सामना करते थे। स्वच्छता और स्वास्थ्य कारणों से यह कदम आवश्यक माना गया। इसी तरह नेहरू पार्क में भी नीलगिरी के कुछ पुराने पेड़ों को हटाया गया।

इनका कहना है

नीलगिरी के पेड़ों की वजह से भूमिगत जलस्तर में गिरावट आ रही है। इसलिए परिषद की बैठक में विभिन्न वार्डों में लगे नीलगिरी के पेड़ों को कटवाए जाने को लेकर प्रस्ताव रखा गया था। जिसे परिषद ने मंजूरी दे दी है। जल्द इस पर काम करेंगे।

- सतीश मटसेनिया,
सीएमओ नगरपालिका बैतूल

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमपुर की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल कार्यालय के सभाकक्ष में गुरूवार को कम्यूनिटि हेल्थ ऑफीसर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे ने समीक्षा बैठक में सीएचओ द्वारा हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पर किये जाने वाले कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया, एनसीडी क्लीनिक, निक्षय पोर्टल, अनमोल एप, सक्षम पोर्टल, ई-औषधि एप, एचआईएमएस के एप पर सीएचओ द्वारा दर्ज की गई उपलब्धियों की जानकारी ली। डॉ हुरमाड़े ने प्रतिमाह 9 एवं 25 तारीख को होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में हाई रिस्क प्रेगनेंसी वाली माताओं को जांच के लिए शिविर में अनिवार्य रूप से लाने के निर्देश दिए। सिकल सेल एनीमिया में स्क्रीनिंग कार्य में कम उपलब्धि होने पर सीएचओ कुंवर सिंह आहके हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पाट भीमपुर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। डॉ हुरमाडे ने सिकल सेल, राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण

कार्यक्रम, एनसीडी कार्यक्रम की उपलब्धि में सात दिवस में प्रगति लाने, क्षेत्र की गर्भवती माताएं एवं बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाऐं देने के निर्देश एवं लापरवाही बरतने पर कार्यवाही किये जाने की भी दी हिदायत। त्रैमासिक समीक्षा बैठक में 100 दिवस निक्षय अभियान, सिकल सेल एनीमिया अभियान, एनक्यूएएस, ई-औषधि एप, अनमोल एप एवं एचआईएमएस के बारे में नोडल अधिकारी द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। समीक्षा बैठक में क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ आनंद मालवीय, सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ अंकिता सिते, एमएण्डईओ, सीपीएचसी सलाहकार आदि उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बैतूल। वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार में आयोजित की गई। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. डीपी शर्मा ने केन्द्र पर संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की एवं जिले के ज्यादा से ज्यादा कृषकों को लाभ पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन दिया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टीआर शर्मा द्वारा केन्द्र पर संचालित प्रक्षेत्रीय परीक्षण में तकनीकी रूप से सुधार के सुझाव दिए एवं केन्द्र पर पदस्थ वैज्ञानिकों से इस केन्द्र की प्रगति को और ऊंचाइयों तक ले जाने

का आग्रह किया। इस दौरान केन्द्र के पौध संरक्षण वैज्ञानिक श्री आरडी बारपेटे ने केन्द्र का प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी कार्य योजना का विस्तृत ब्यौरा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। उक्त बैठक में ज.ने.कृ.वि.वि. संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. डीपी शर्मा, एवं प्रधान वैज्ञानिक जबलपुर डॉ.टीआर शर्मा, केन्द्र प्रमुख डॉ. व्हीके वर्मा, वैज्ञानिक डॉ.एसके तिवारी, श्री आरडी बारपेटे सहित विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक, बैतूल जिले के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, नाबार्ड, इफको, बीज निगम, बायफ आदि विभागों के विभाग प्रमुख प्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषक सहित 43 सदस्य उपस्थित थे। आभार वैज्ञानिक डॉ. मेघा तिवारी द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संजय जैन, डॉ.एम.पी. इंगले, श्री नेपाल बारस्कर, सौरभ मकवाना, आर.एस. यादव आदि का विशेष सहयोग रहा।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डागा का दो दिवसीय दौरा, 8 बैठकों में होंगे शामिल

शाहपुर से सारनी और चिचोली से भीमपुर तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद

बैतूल। जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल के अध्यक्ष निलय विनोद डागा का दो दिवसीय सघन द्वारा कार्यक्रम 30 और 31 अगस्त को घोड़ाडोंगरी और आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र में रहेगा। जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल के संगठन महामंत्री स्पेन्सर लाल से मिली जानकारी के अनुसार इस दौरे के दौरान श्री डागा विभिन्न ब्लाकों और उपब्लाकों की बैठकों में शामिल होंगे तथा कांग्रेस संगठन की मजबूती को लेकर कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, शनिवार 30 अगस्त को दोपहर 12 बजे कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डागा शाहपुर पहुंचेंगे। यहां वे सबसे पहले बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। पत्तौवापुरा में ब्लाक कांग्रेस की बैठक होगी। दोपहर 2 बजे मंगल भवन चोपना में उपब्लाक कांग्रेस की बैठक आयोजित की जाएगी। इसी दिन शाम 4 बजे घोड़ाडोंगरी में शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर वे कार्यकर्ताओं से जुड़ेंगे। इसके बाद राठौर मैरिज लॉन में ब्लाक कांग्रेस की बैठक होगी। शाम 6 बजे सारनी के शॉपिंग सेंटर में ब्लाक कांग्रेस की बैठक के साथ पहले दिन का कार्यक्रम संपन्न होगा। रविवार 31 अगस्त को दोपहर 1 बजे श्री डागा आदिवासी मंगल भवन चिचोली में शहर ब्लाक कांग्रेस की बैठक में शामिल होंगे।

ऋषि पंचमी पर ताप्ती तट पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

ताप्ती स्नान कर किया ऋषि पंचमी उपवास का समापन

बैतूल / मुलताई। मुलताई में ऋषि पंचमी के अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने ताप्ती तट पहुंचकर, स्नान ध्यान कर,ऋषि पंचमी व्रत का समापन किया, साथ ही यज्ञ हवन में भाग लिया, ऋषि पंचमी के अवसर पर सुबह से ही ताप्ती तट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगना प्रारंभ हो गया था जिसमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। इसे देखते हुए नगर प्रशासन द्वारा ताप्ती तट पर सुरक्षा व्यवस्था के अनेक इंतजाम किए गए थे, ताप्ती तट पर भीड़ ना हो इसको लेकर परिक्रमा क्षेत्र में दोनों ओर बेरिकेटिंग की गई थी, जिस पर पुलिस सहित नगर पालिका के कर्मचारियों को तैनात किया गया था। ऋषि पंचमी के संदर्भ में पंडित गणेश त्रिवेदी बताते हैं कि ऋषिपंचमी का त्यौहार हिन्दू पंचांग के भाद्रपद महीने में शुक्ल पक्ष पंचमी को मनाया जाता है। यह त्यौहार गणेश चतुर्थी के अगले दिन होता है। इस त्यौहार में सप्त ऋषियों के प्रति श्रद्धा भाव व्यक्त किया जाता है। और जीवन में हुई गलतियों की क्षमा याचना की जाती है। ऋषि पंचमी के अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान को अत्यंत पुण्य कर्म माना जाता है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष ताप्ती तट पर अनेक जिलों से ऋषि पंचमी पर महिलाएं पहुंचती है ,विशेष तौर से महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में महिलाएं ताप्ती तट आती है। इस वर्ष ऋषि पंचमी के अवसर पर अनेक मंदिरों में हवन पूजन का आयोजन किया गया गजानन मंदिर में निशुल्क चाय वितरण की गई, लक्ष्मी नारायण मंदिर में पंडित गणेश त्रिवेदी ने ऋषि पंचमी का व्रत संपन्न कराया एवं हवन पूजन की विधि पूर्ण कराई।, ताप्ती सरोवर के मध्य बने सप्त ऋषि टापू पर गायत्री परिवार द्वारा हवन पूजन किया गया।

केंद्रीय मंत्री श्री उईके खेल दिवस पर 'सांसद खेल महोत्सव 2025' के रजिस्ट्रेशन का करेंगे शुभारंभ

मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

बैतूल। राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त को सुबह 7:30 बजे जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके द्वारा 'सांसद खेल महोत्सव 2025' के रजिस्ट्रेशन का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। इसके अलावा फिट इंडिया शपथ, खिलाड़ी सम्मान समारोह, हॉकी, कराटे मैच व पुरस्कार वितरण का आयोजन भी होगा।

उल्लेखनीय है कि स्वस्थ, समावेशी और सक्रिय भारत के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता रखते हुए सांसद खेल महोत्सव का आयोजन संपूर्ण राष्ट्र में खेल दिवस से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को जिले की प्रतिष्ठा के अनुरूप बृहद, भव्य और उल्लासपूर्वक आयोजित किए जाने को लेकर जिले में गतिविधियां तेज हो गई हैं। युवाओं में खेल, खेल भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास किए जाने, खेल और स्वास्थ्य के माध्यम से समुदाय को संगठित किये जाने के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के फिट इंडिया मूवमेंट का संदेश जमीनी स्तर पर अंतिम छोर तक ले जाया जाकर प्रतिभाओं का चिन्हांकन करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रशिक्षण एवं सुविधाओं को उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से संपूर्ण राष्ट्र में आयोजित किए जाने वाले सांसद खेल महोत्सव के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा जारी की गई है। खेल दिवस पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उईके द्वारा खेल महोत्सव के पंजीयन किए जाने संबंधी पोर्टल का लोकार्पण एक भव्य समारोह में स्थानीय एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित खेल दिवस संबंधी मुख्य कार्यक्रम में किया जाएगा।

बुजुर्गों एवं दिव्यांगों के लिए भी खेलकूद तथा अन्य मनोरंजक गतिविधियां होगी- 29 अगस्त से 20 सितंबर तक अधिक से अधिक खिलाड़ियों, इच्छुक नागरिकों द्वारा पोर्टल पर पंजीयन किया जाएगा। इस महोत्सव अंतर्गत तीन स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है। संसदीय क्षेत्र बैतूल, हरदा, हरसूद के लिए पांच ओलंपिक गेम अंतर्गत वॉलीबॉल, बैडमिंटन, एथेलेटिक्स, कराटे एवं कुश्ती के अतिरिक्त तीन स्थानीय और मनोरंजक खेल खो-खो, कबड्डी और रस्साकशी को चयनित किया गया है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्र विशेष में खेले जाने वाले एवं लोकप्रिय खेलों का भी आयोजन किया जाएगा। खेल महोत्सव अंतर्गत युवाओं, खिलाड़ियों के साथ बुजुर्ग जनों एवं दिव्यांगों के लिए भी विभिन्न प्रकार की खेलकूद तथा अन्य मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अपने संसदीय क्षेत्र के मुख्यालय बैतूल में इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाने की दिशा में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उईके द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, अन्य खेल प्रेमियों को विस्तार से प्रारंभिक रूपरेखा की जानकारी देते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए।

20 सितंबर तक पोर्टल पर होंगे पंजीयन- केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उईके द्वारा अपने क्षेत्र की जनता से आह्वान किया है कि प्रधानमंत्री जी की भावना के अनुरूप समाज को संगठित किये जाने, युवाओं की शक्ति को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने और राष्ट्रहित में लगाए जाने को ध्यान में रखते हुए देश में सर्वाधिक संख्या में इस आयोजन के लिए अपना पंजीयन कराएं। यह पंजीयन 29 अगस्त से 20 सितंबर तक पोर्टल पर किया जा सकेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के साथ शहरी क्षेत्र में भी ऑफलाइन पंजीयन के लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था की जाकर आम जनता को अवगत कराया जाएगा, ताकि वे इस सुविधा का लाभ उठाकर पंजीयन करा सकें और बढ़-चढ़कर इस आयोजन में हिस्सेदारी कर सकें।

विकास परियोजनाओं में आवश्यक अनुमतियां और भूमि आवंटन में देरी न हो : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

वन व्यवस्थापन के प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाएं

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को आयोजित समय सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों के लिए वन विभाग की अनुमतियां, भूमि आवंटन इत्यादि प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग की साकली से अंधेरबावड़ी मार्ग, धायवानी से बाबजेई मार्ग और तेंदूखेड़ा, कावलीखेडा, काजली मार्ग निर्माण की प्रगति की समीक्षा और भूमि आवंटन के लिए शीघ्र आवेदन करने के निर्देश एसडीओ साउथ को दिए। इसी प्रकार उन्होंने जल संसाधन विभाग के निर्गुण मध्यम सिंचाई परियोजना, गढ़ा सिंचाई परियोजना और प्रभुढाना सिंचाई परियोजना में आवश्यक अनुमतियों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार स्वास्थ्य, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अंतर्गत ग्रेवल सड़क निर्माण के लिए आरईएस और वन विभाग को स्थल का संयुक्त निरीक्षण और जांच की कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, एमपीईबी के भी वन सम्बन्धी प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वन व्यवस्थापन के प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी एसडीएम और एसडीओ के लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में वन मंडल अधिकारी श्री नवीन गर्ग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित

रहें। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की और सभी को शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देशित किया कि जनसामान्य की वाजिब शिकायत अनावश्यक लंबित पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही जुर्माना भी लगाया जाएगा। आरसीएमएस पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की भी कलेक्टर ने विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने भूमि आवंटन के प्रकरण लंबित पाए जाने पर नाराजगी जाहिर की और सभी एसडीएम को प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लापरवाही करने वाले रीडर्स के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही भी की जाएगी। धारणाधिकार के ऐसे प्रकरण जिनमें पंजीयन नहीं हो पा रहा हैं। उनमें राजस्व निरीक्षक के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिला पंजीयक और सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में पंजीयन के लिए विशेष कैंप आयोजित कराएं। उन्होंने आमढाना में शासकीय प्राथमिक शाला लचकोरा की स्कूल भवन जर्जर होने के शिकायत पर शिक्षा विभाग और एसडीएम को शिकायत का निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी विभाग के अधिकारी अपने अधीनस्थ अमले के पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम जीवन सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना में आवेदन कराएं। इसी प्रकार ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी अपने अमले के आवेदन प्राप्त करें और उन्हें एलडीएम को प्रेषित कराएं। कलेक्टर सूर्यवंशी ने आगामी 7 दिवसों में उक्त योजनाओं में शत प्रतिशत आवेदन कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त किए जाए।

कलेक्टर ने समग्र ई केवाईसी अभियान की भी जनपद और निकायवार समीक्षा की। उन्होंने ई केवाईसी का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई केवाईसी में शाहपुर, घोड़ाडोंगरी और भीमपुर जनपद को विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई केवाईसी के लिए विशेष अभियान चलाएं। उन्होंने शाहपुर, घोड़ाडोंगरी और भीमपुर के जनपद सीईओ ई केवाईसी में संतोषजनक प्रगति नहीं लाने पर वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए। सीएमओ शाहपुर को बैठक में अनुपस्थित रहने पर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी किए जाने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने 29 से 31 अगस्त तक आयोजित होने वाले खेल महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने खेल महोत्सव के लिए सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और सीएमओ को अपने क्षेत्र में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर्स को भी खेल गतिविधियों के दौरान चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेना भर्ती रैली में युवाओं का उत्साह चरम पर

विदिशा (निप्र)। सेना भर्ती रैली के पाँचवे दिन (26 अगस्त 2025) युवाओं ने जोश और उमंग के साथ भागीदारी की। इस दिन मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम, अशोकनगर और दमोह जिलों से आए युवाओं ने अपनी प्रतिभा और शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। सेना भर्ती कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में 699 उम्मीदवारों में से 519 ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें से 351 युवाओं ने दौड़ की परीक्षा सफलतापूर्वक पास की।

आगे की प्रक्रिया

दौड़ पास करने वाले उम्मीदवार अब शारीरिक प्रवीणता परीक्षण, कागजी कार्यवाही और मेडिकल जाँच से गुजरेंगे। सभी चरण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी ही अंतिम चयन सूची में शामिल किए जाएंगे।

निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती

भर्ती प्रक्रिया जिला प्रशासन विदिशा एवं सेना भर्ती कार्यालय भोपाल के संयुक्त सहयोग से सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। भर्ती स्थल पर युवाओं में अत्यधिक उत्साह देखा गया। सेना भर्ती अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना में चयन पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी और केवल योग्यता के आधार पर होता है।

संक्षिप्त समाचार

जिला रेडक्रास सोसायटी की बैठक कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला रायसेन की वार्षिक साधारण सभा की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें जिले की प्रबंधन समिति का गठन और राज्य शाखा हेतु प्रतिनिधि के निर्वाचन की कार्यवाही की गई। साथ ही सोसायटी के माध्यम से जिले में रक्तदान शिविर, योगा शिविर, अंधत्व निवारण सहित अन्य गतिविधियां आयोजित किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री मनोज कुमार उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी और सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जा रही हैं निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले की गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल के लिये प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर देखभाल एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निशुल्क लाभ प्रदान किया जा रहा है, ताकि गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अभियान के तहत 25 जुलाई को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 498 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 172 गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सीएमएचओ श्री सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना हैं। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को निशुल्क जाँच, दवाएं, एवं परामर्श दिया जा रहा है। अभियान के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं विशेष देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत प्रसव के समय जटिल अवस्था में उच्च चिकित्सा केन्द्रो में रेफर किया जाता है। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य जाँच के लिये निशुल्क पिक अप एवं ड्राप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। जिला चिकित्सालय बैतूल में सोमवार को आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ प्रीति मायवाड़े द्वारा 80 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई। जिसमें 28 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, शिविर में आयीं समस्त माताओं की खून की एवं जीडीएम की जांच की गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र शाहपुर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ वंदना धाकड़ द्वारा 105 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें 48 हाई रिस्क महिलाऐं पाई गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र आठनेर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ भावना कवड़कर द्वारा 116 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र भैंसदेही में डॉ व्योमा वर्मा मेडिकल आफीसर द्वारा 75 गर्भवती महिलाऐं, सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सिद्धी लश्करे द्वारा 65 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक जांचे, चिकित्सकीय परीक्षण, परामर्श और हाई रिस्क महिलाओं का उचित प्रबंधन कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाना है जिससे मातृ एवम शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके।

दो प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने दो प्रकरणों में जिला बदर के आदेश जारी कर दिए है। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के प्रतिवेदन पर जिन दो प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही की गई है। उनमें अनावेदक इरफान खां पुत्र असफाक खां उम्र 38 साल निवासी राजेन्द्र नगर गंजबासौदा एवं अनावेदक अकरम मंसूरी (खत्री) पिता जलाल मंसूरी उर्फ जलालुद्दीन उम्र 39 वर्ष निवासी लोहांगी मोहल्ला काली मस्जिद थाना कोतवाली विदिशा सहित पूर्व उल्लेखितों के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही का आदेश जारी हुआ है।

कलेक्टर से मिले अपना घर आश्रम ग्रुप के सदस्य

विदिशा (निप्र)। जिले को प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में की जा रही नवाचार और इस अभियान में सामाजिक संगठन भी आगे आकर सहयोग प्रद कर रहे हैं। अपना घर आश्रम विदिशा के सदस्यों द्वारा आज सिंगल यूज प्लास्टिक थैलियों का उपयोग ना करने के लिए पहल करते हुए मात्र एक रुपए में कपड़े के थैले विक्रय किए जाएंगे। जन जागृति हेतु इस अभियान की शुरुआत आज संगठन के सदस्यों ने कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता से उनके चेंबर में मुलाकात कर कपड़े का थैला भेंट कर की है।

इस अभियान की सार्थकता समाज में व्याप्त हो एवं लोग पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति जागृत हो के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है। संगठन के सदस्य श्री बबलू अहमद ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ बुधवार को विदिशा के सब्जी मंडी क्षेत्र से किया जाएगा जहां सब्जी मंडी में पहुंचने वाले नागरिकों को एक रुपए में कपड़े के थैले विक्रय किए जाएंगे , ताकि विदिशा को प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके। अपना घर आश्रम विदिशा द्वारा प्रबुद्धजनो की सेवा के साथ ही पर्यावरण क्षेत्र में भी लोगों को जागरूक करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक थैलियों का उपयोग न करने हेतु जन जागृति अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें मात्र एक रुपए में कपड़े का बड़ा थैला दिया जाएगा, अपने दैनिक उपयोग की आवश्यकताओं में उसका उपयोग कर सकते हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान : दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों ने गांवों का भ्रमण कर तैयार किए सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र

बैतूल (निप्र)। आदि कर्मयोगी डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब प्रशिक्षण के अंतर्गत तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन मंगलवार को 7 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की निर्देशन में 88 प्रतिभागियों को दो टीमों में विभाजित कर ग्राम पंचायत बोदी जुनापानी के ग्राम बोदी जुनापानी एवं गोनीघाट में फील्ड विजिट कराया गया। दोनों टीमों ने संबंधित ग्रामों में पहुंचकर ग्रामीण जनों के साथ बैठक आयोजित की और गांव की प्राथमिक जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान ग्रामीणों की सहभागिता से सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र तैयार किया गया। तत्पश्चात् ट्रांजेक्ट वॉक के माध्यम से टीमों ने घर-घर पहुंचकर मौके पर जानकारी एकत्रित की और मानचित्र को अंतिम रूप दिया। दोपहर सत्र में पुनः ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित कर विलेज विजन प्लान तैयार किया गया।

स्कूल व छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष महोदय श्री अरविंद रघुवंशी के निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर के मार्गदर्शन में मंगलवार को द ज़ेनर एजुकेशन सिस्टम स्कूल तथा शासकीय आदिवासी महाविद्यालय बालक छात्रावास हरदा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया साथ ही ''पंच-ज'' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने बताया कि बाल अधिकार जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों के अधिकारों के बारे में लोगों को शिक्षित करना और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह अभियान बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल यौन शोषण,बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए है। उन्होने बताया कि बच्चों को मौलिक अधिकार और कर्तव्य नागरिकों के अधिकारों और जिम्मेदारियों को परिभाषित करते हैं। मौलिक अधिकार, जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार आदि व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक हैं। वहीं, मौलिक कर्तव्य जैसे संविधान का पालन करना, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना, देश की रक्षा करना, नागरिकों के सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व हैं। उन्होने इस दौरान मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना के तहत पॉक्सो एक्ट, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना की जानकारी उपस्थितजनों को दी। उन्हें इस बारे में भी जागरूक किया गया कि वे किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। उन्होने बताया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से, नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर अथवा 15100 पर कॉल कर, विधिक सहायता आसानी से प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर ''पंच-ज'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्यपोषित नलकूप खनन योजना से बदला किसान श्री सिरनाम अहिरवार का जीवन

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के विकासखण्ड लटेरी के ग्राम बापचा के किसान श्री सिरनाम सिंह अहिरवार की जिंदगी में राज्यपोषित नलकूप खनन योजना ने नई रोशनी ला दी है। कृषक श्री सिरनाम के पास खेती योग्य भूमि तो थी, परंतु सिंचाई का साधन ना होने से उनकी फसलें प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर रहती थीं। खरीफ की फसल किसी तरह हो जाती, लेकिन रबी की फसल के लिए उन्हें किराए पर पानी लेना पड़ता था। जिससे लागत अधिक और लाभ कम होता था। कई बार जीवन-यापन के लिए उन्हें मजदूरी भी करनी पड़ती थी। इसी दौरान कृषि विस्तार अधिकारी श्री गोपाल हलेचा ने उन्हें राज्यपोषित नलकूप खनन योजना के बारे में जानकारी दी। योजना के तहत नलकूप खनन पर 25 हजार रुपए और विद्युत मोटर पंप पर 15 हजार रुपए इस प्रकार कुल 40 हजार रुपए का अनुदान प्राप्त होता है। कृषक श्री सिरनाम ने आवेदन कर योजना का लाभ लिया। नलकूप खनन में लगभग एक लाख तीस हजार रुपए की लागत आई, जिसमें से चालीस हजार का अनुदान उन्हें प्राप्त हुआ। नलकूप 130 फीट पर सफल रहा और अब उनकी भूमि को स्थायी जल स्रोत मिल गया। अब सिरनाम किसान वर्षभर फसल ले पा रहे हैं। खरीफ में मक्का, रबी में गेहूँ व चना तथा ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती से उन्हें 20-25 प्रतिशत अधिक उपज मिल रही है। लगभग तीस हजार रुपए की अतिरिक्त बचत हुई।अब मजदूरी करने की आवश्यकता नहीं रही। कृषक श्री सिरनाम प्रसन्न होकर बताते हैं कि नलकूप खनन से मेरी आय में वृद्धि हुई है। अब मैं पूरे वर्ष खेती कर पाता हूँ और खेती से ही मेरे जीवन में खुशहाली आई है। राज्यपोषित नलकूप खनन योजना ने कृषक श्री सिरनाम अहिरवार के जीवन में परिवर्तन लाया है। आज वे आत्मनिर्भर किसान के रूप में सामने आए हैं और अपने गाँव के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बने हैं।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने थाना सिरोंज के दो एवं थाना गंजबासौदा में दर्ज एक प्रकरण के फरार आरोपियों की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए तीन-तीन हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है।थाना सिरोंज में दर्ज दो अपराध प्रकरण क्रमांक 134/2025 के फरार आरोपी प्रमोद कुमार पुत्र ओमप्रकाश दुबे निवासी गौरी काम्पलेक्स के सामने बरेठ रोड गंजबासौदा और जुनूश पुत्र तोफिक मियां निवासी वार्ड क्रमांक 13 रोहितपुरा थाना सिरोंज जिला विदिशा की और गंजबासौदा शहर में दर्ज अपराध क्रमांक 776/2024 के फरार आरोपी समंदर उर्फ सौमेन्द्र उर्फ जगदीश गुर्जर की सूचना देने, गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए तीन-तीन हजार रूपए (प्रत्येक प्रकरण में) का इनाम घोषित किया गया है सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

समितियों के माध्यम से हो नियमित खाद वितरण : कलेक्टर सोनिया मीना

खाद की कालाबाजारी के विरुद्ध फील्ड में अधिक सक्रियता दिखाएं अधिकारीकलेक्टर ने जिले में खाद वितरण एवं मूंग भुगतान की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में कृषकों को खाद की नियमित आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित की जाए उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिए कि सहकारी समितियों के माध्यम से एनपीके/एसएसपी का उठाव सुनिश्चित कर किसानों को समय पर वितरण किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा प्राप्त खाद आवंटन का वितरण सहकारी समितियों एवं गोदामों के माध्यम से 50-50 मॉड्यूल के आधार पर ही किया जाए। इस दौरान कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि समितियों द्वारा की जा रही खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि इस वर्ष समितियों को कुल 4150.62 एमटी यूरिया प्राप्त हुआ है, जिसमें से 3348.18 एमटी का वितरण हो चुका है। इसी प्रकार 3552.25 एमटी सुफा में से 2055.75 एमटी का वितरण तथा

4589 एमटी एनपीके/कॉम्प्लेक्स/टीएसपी में से 1210.50 एमटी का वितरण किया जा चुका है, शेष स्टॉक समितियों के पास भंडारित है। बैठक के दौरान यह जानकारी भी दी गई की इस सप्ताह खाद की एक रैक इटारसी में लगना प्रस्तावित है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि दूरस्थ ग्रामों में क्लस्टर तैयार कर इस सप्ताह से ही किसानों को समितियों के माध्यम से खाद वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कलेक्टर ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रियता बढ़ाने और कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई व्यापारी निर्धारित मूल्य से अधिक पर खाद का विक्रय न करें। बैठक में मूंग खरीदी की लंबित जांच की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों की जांच शीघ्रता से पूर्ण की जाए। उन्होंने सहकारिता विभाग को विशेष रूप से जांच प्रकरणों पर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि शेष किसानों को मूंग खरीदी का भुगतान शीघ्र किया जाए।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत किया गया 864 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के तहत जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। जिले में 26 अगस्त को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 623 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 241 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 132 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर बच्चों के टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है।

ग्वालियर की दो दिवसीय 'रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव', पर्यटन को देगी नई दिशा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

निवेशक, पर्यटन व्यवसायी, टूर ऑपरेटर्स, होटल इंडस्ट्री के हितधारक होंगे शामिल

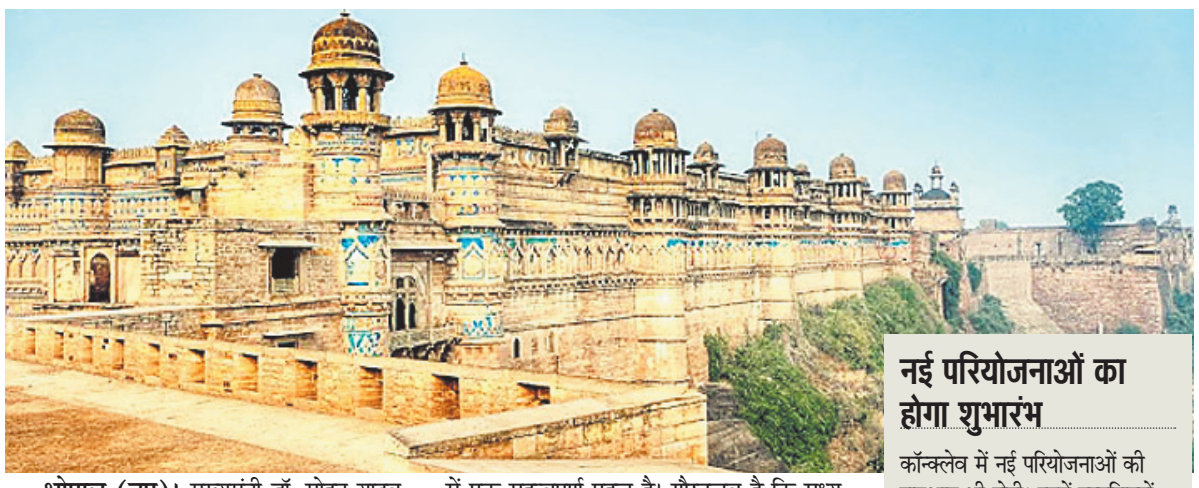

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 29 एवं 30 अगस्त को ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केंद्रीय संचार मंत्री और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी होंगे। प्रसिद्ध अभिनेता श्री पीयूष मिश्रा और श्री फैसल मलिक विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

ग्वालियर-चंबल एवं सागर क्षेत्र की पर्यटन क्षमताओं को पहचानते हुए प्रदेश में पर्यटन निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की जा रहा है। टाइमलेस ग्वालियरः इकोज़ ऑफ़ कल्चर, स्पिरिट ऑफ़ लेगेसी थीम पर केन्द्रित कॉन्क्लेव पर्यटन निवेश, सांस्कृतिक धरोहर, अनुभवात्मक पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 11 से 13 अक्टूबर-2025 तक भोपाल में मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट का आयोजन किया जाएगा।

अनुबंध और साझेदारियों से होगा पर्यटन का विकास

कॉन्क्लेव में पर्यटन विकास को गति देने के लिए कई अहम करार होंगे। होटल, रिसोर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्र के निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) प्रदान किए जाएंगे। पारंपरिक संगीतज्ञों, लोक कलाकारों और पर्यटक ग्रामों के कलाकारों की क्षमता निर्माण के लिए ग्वालियर की मान सिंह तोमर यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू होगा। इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार के लिए याप डिजिटल, क्रायोन्स एडवरटाइजिंग, ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेस लिमिटेड, कॉन्सेप्ट कम्युनिकेशन्स साथ अनुबंध होंगे। इन समझौतों से न केवल निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय समुदाय और कलाकार भी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे।

नई परियोजनाओं का होगा शुभारंभ

कॉन्क्लेव में नई परियोजनाओं की शुरुआत भी होगी। इनमें हस्तशिल्पों की मार्केटिंग में संस्था डेलबर्टो महत्वपूर्ण साझेदारी होगी। इस साझेदारी से हस्तशिल्प प्रेमी एक विशेष ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म के जरिए सीधे हमारे कारीगरों से जुड़कर उनके द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट और प्रामाणिक उत्पाद घर बैठे ही खरीद सकेंगे। इंडिगो और आगा खां फाउंडेशन के सहयोग से सीएसआर के अंतर्गत ग्वालियर किले में संरक्षण, लैंडस्केपिंग और इल्युमिनेशन कार्यों का शिलान्यास होगा। स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत ग्वालियर के फूल बाग में अनुभवात्मक पर्यटन परियोजनाओं का शिलान्यास होगा। साथ ही मान सिंह तोमर म्यूजिक यूनिवर्सिटी में विकास कार्यों का शिलान्यास किया जायेगा।

हितधारक पर्यटन व्यवसाय में निवेश की संभावनाओं पर करेंगे चर्चा

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में ट्रैवल ऑपरेटर्स, होटल व्यवसायियों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के बीच द्विपक्षीय संवाद और पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होगी। यह सत्र न केवल क्षेत्रीय पर्यटन के विकास के लिए, बल्कि राष्ट्रीय पर्यटन समृद्धि के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

सांस्कृतिक संध्या में दिखेगा मध्य प्रदेश का गौरव

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के प्रथम दिवस सांस्कृतिक संध्या में मध्यप्रदेश का गौरव देखने को मिलेगा। इस दौरान कलाकारों द्वारा लोककला की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी प्रकार मैहर बैंड समां बांधेगा। इस कॉन्क्लेव में विशेष पर्यटन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें मध्यप्रदेश के विविध पर्यटन स्थलों, पर्यटन इकाइयों, होस्पिटैलिटी ब्रांड्स, होमस्टे, रिसॉर्ट्स, हैंडलूम/हैंडिक्राफ्ट, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों को समर्पित स्टॉल लगाए जाएंगे। यह प्रदर्शनी निवेशकों, ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, स्थानीय उद्यमियों और आगंतुकों को एक मंच पर लाकर पर्यटन क्षेत्र में संभावनाओं को प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करने का अवसर देगी।

जुटेंगे इंफ्लुएंसर्स, हितधारक जानेंगे समृद्ध विरासत

कॉन्क्लेव में इंफ्लुएंसर्स मीट भी होगी। इसमें ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के इंफ्लुएंसर्स शामिल होंगे और उन्हें अभिनेता श्री फैसल मलिक के साथ रूबरू होने का अवसर मिलेगा। इसी तरह ग्वालियर किले पर 30 एवं 31 अगस्त को सुबह 6:30 बजे से योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। चयनित अतिथियों एवं प्रतिनिधियों के लिए फैमिलियाराइज़ेशन टूर (एफएएम टूर) का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ग्वालियर एवं आसपास के पर्यटन स्थलों की संभावनाओं से प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है। इस विशेष भ्रमण के माध्यम से प्रतिनिधियों को क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक महत्व आदि का अनुभव कराया जाएगा, जिससे वे निवेश, प्रचार-प्रसार और पर्यटन विकास की दृष्टि से गहराई से जुड़ सकें।

विरासतों, धरोहरों और अनुभवात्मक पर्यटन की संभावनाओं पर होगा मंथन

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में दो महत्वपूर्ण सत्र होंगे। टूरिज़्म ऐज़ अ कल्चरल ब्रिज ब्रांडिंग ग्वालियर एंड हार्टलैंड ऑफ़ एमपी विषय पैनल डिस्कशन होगा, जिसमें ग्वालियर की सांस्कृतिक धरोहर, शास्त्रीय संगीत और स्थापत्य कला को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की रणनीतियों पर विचार होगा। दूसरा पैनल डिस्कशन ग्वालियर एंड चंबल राइजिंग इनबाउंड अपील थ्रू हेरिटेज, लग्ज़री एंड एक्सपीरियंस विषय पर केंद्रित होगा, जिसमें विरासत, लग्ज़री स्टे, डेस्टिनेशन वेडिंग और अनुभवात्मक पर्यटन जैसे नए आयामों पर संवाद होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन समिति और ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर समिति के बीच एमओयू का आदान प्रदान किया गया।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से नई दिल्ली में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सौजन्य भेंट की।

जबलपुर में सड़क हादसे में प्रधान आरक्षक की मौत

टक्कर मारकर भागा बोलेरो वाहन चालक; अपराधी को पकड़ने गई थी पुलिस टीम

जबलपुर (नप्र)। जबलुपर के संजीवनी नगर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अभिषेक शिंडे की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना के वक्त वे अपराधी की तालाश में अंधमूक बाइपास के पास घूम रहे थे। तभी अचानक ही तेज रफ्तार एक बोलेरो जीप ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वे सड़क पर दूर जा गिरे।

घटना के बाद वाहन चालक गाड़ी के साथ फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत ही भेड़ाघाट थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद संजीवनी नगर थाना पुलिस सहित भेड़ाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और इलाज के लिए अभिषेक को मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डाक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एसपी के साथ मेडिकल पहुंचे पुलिस अधिकारी-ड्यूटी के दौरान प्रधान आरक्षक अभिषेक शिंडे गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय को लगी तो वे उन्हें देखने के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचे। इस दौरान उनके साथ एएसपी क्राइम जितेंद्र सिंह, सीएसपी रितेश शिव के साथ भेड़ाघाट और संजीवनी नगर थाना प्रभारी भी थे। डाक्टरों की टीम ने गंभीर रूप से घायल प्रधान आरक्षक की जान बचाने का प्रयास किया पर वह सफल नहीं हो सके। बुधवार रात को उन्होंने दम तोड़ दिया।

भोपाल में सांसद की मीटिंग में उठा ट्रैफिक का मुद्दा

पुराने शहर में व्यवस्थित-विकसित बाजार पर चर्चा; टीम बनाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पुराने शहर के बाजारों में अव्यवस्थित ट्रैफिक का मुद्दा गुरुवार को कलेक्टोरेट में हुई मीटिंग में भी उठा। सांसद आलोक शर्मा ने 20 से अधिक व्यापारिक संगठनों की मीटिंग ली थी। उन्होंने व्यवस्थित और विकसित बाजार पर चर्चा की।

सांसद शर्मा को सराफा, किराना, दवा, कपड़ा समेत अन्य व्यापारी प्रतिनिधियों ने पार्किंग और ट्रैफिक अव्यवस्था की जानकारी दी। इस पर सांसद ने प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जिला प्रशासन, स्मार्ट सिटी और बाजार प्रतिनिधियों की एक टीम गठित की। ताकि, ट्रैफिक को व्यवस्थित किया जा सके। नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरुण कुमार आदि अधिकारी मौजूद थे।

भोपाल में गरज-चमक के साथ बारिश

उज्जैन में क्षिप्रा किनारे मंदिर डूबे; रायसेन में सड़कों पर 2 फीट पानी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में गुरुवार से फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। भोपाल में दोपहर 12 बजे के बाद मौसम बदला और अंधेरा छा गया। यहां गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। पीएचक्यू के पीछे वाली सड़क पर करीब 200 मीटर के हिस्से में पानी भर गया, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

उज्जैन में क्षिप्रा नदी उफान पर है। घाटों पर बने मंदिर पानी में डूब गए हैं। रायसेन में भारी बारिश से सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। धार के मनावर में सुबह तेज पानी गिरा। स्कूल, कॉलेज और दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जिले के मनावर में मान डैम के गेट खोल दिए गए हैं। मानसून ट्रफ की एक्टिविटी होने से खरगोन, खंडवा समेत 10 जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, भोपाल-इंदौर में रिमझिम बारिश हो सकती है।

सिवनी में 24 घंटे में 3 इंच पानी गिरा- मध्यप्रदेश के 11 जिलों में पिछले 24 घंटे में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का दौर रहा। सबसे ज्यादा 3 इंच पानी सिवनी में गिर गया। रतलाम में 2.2 इंच, छिंदवाड़ा में 1.1 इंच और शिवपुरी में 1 इंच बारिश हुई। भोपाल में हल्की बूंदाबांदी हुई तो उज्जैन, श्योपुर, खंडवा, इंदौर, सागर और धार में भी हल्की बारिश का दौर बना रहा।

प्रदेश के बीचोंबीच से गुजर रही मानसून ट्रफ- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- बुधवार को एक मानसून ट्रफ प्रदेश के बीचोंबीच से गुजरी। एक अन्य ट्रफ की सक्रियता भी देखने को मिली। वहीं, बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया एक्टिव हो रहा है। इसका अगले कुछ दिन में असर देखने को मिलेगा। ऐसे में प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का दौर बना रहेगा।

गुना-मंडला में 53 इंच से ज्यादा पानी गिरा

इस बार बारिश के मामले में गुना सबसे बेहतर है। यहां औसत 53.8 इंच पानी गिर चुका है। वहीं, मंडला में 53.1 इंच बारिश हुई है। अशोकनगर में 50.5 इंच, शिवपुरी में 49.9 इंच और रायसेन में 49.6 इंच बारिश हुई है।

सबसे कम बारिश वाले 5 जिलों में सभी इंदौर संभाग के हैं। इंदौर में अब तक औसत 16.5 इंच बारिश हुई है। बुरहानपुर में 19 इंच, खरगोन में 19.1 इंच, खंडवा में 19.6 इंच और बड़वानी में 20.1 इंच पानी गिरा है।

एमपी में अब तक 35.6 इंच बारिश

प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 35.9 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 29.2 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 6.7 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है।

प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। इस हिसाब से कोटे की 97 प्रतिशत तक बारिश हो चुकी है। 1.1 इंच बारिश होते ही इस बार भी बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। पिछली बार 44 इंच से ज्यादा पानी गिरा था।

सोशल मीडिया फ्रेंड ने अविवाहित बताकर युवती से रेप किया

नरसिंहपुर का रहने वाला है आरोपी, भोपाल आकर की थी ज्यादती

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मिसरोद इलाके में रहने वाली युवती सोशल मीडिया के जरिए एक युवक के संपर्क में आई। शादी का झांसा देते हुए युवक ने युवती से रेप किया। पिछले दिनों युवती को पता चला कि युवक पहले से ही शादीशुदा है तो उसने मामले की शिकायत थाने में कर दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस की एक टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए नरसिंहगढ़ रवाना होने की तैयारी में है। आरोपी वहीं का रहने वाला है और युवती से मुलाकात करने भोपाल आता रहता था।

एक साल पहले हुई थी दोनों की दोस्ती

पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय युवती मिसरोद इलाके की एक कॉलोनी में रहती है। पिछले साल सोशल मीडिया के जरिए उसकी दोस्ती विवेक जलवंशी नाम के युवक से हुई। वह मूलतः नरसिंहपुर का रहने वाला है। दोनों के बीच जब नजदीकियां बढ़ीं तो युवक भोपाल आकर युवती से मिला।

जल्द शादी करने का भरोसा दिलाया था

इस दौरान उसने शादी करने का झांसा देते हुए उसके साथ रेप किया। बाद में कई बार उसने युवती से शारीरिक संबंध बनाए। पिछले दिनों युवती को पता चला कि विवेक पहले से ही शादीशुदा है। इसके बाद युवती ने थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुए की आदत से परेशान युवक ने सुसाइड किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार तड़के सुबह उसका शव कमरे से बरामद किया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोपहर में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवक जुए की लत से परेशान था।

पुलिस के अनुसार मृतक फैजान मंसूरी (22) कल्याण नगर का रहने वाला था। वह प्लास्टर ऑफ पेरिस का काम करता था। बुधवार रात खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सो गया था। गुरुवार सुबह करीब 3:30 बजे उसके पिता फारूक की नींद खुली।

पानी पीने उठे तो उन्होंने बेटे के कमरे का दरवाजा खुला देखा। अंदर जाकर पाया कि फैजान का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ है। उन्होंने शोर मचाकर अन्य परिजनों को बुलाया और शव को नीचे उतारा, लेकिन तब तक फैजान की मौत हो चुकी थी।

पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला- सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक के कमरे की तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पिता फारूक ने पुलिस को बताया कि फैजान जुआ खेलने का आदी था और संभवतः जुए में बड़ी रकम हारने के बाद उसने यह कदम उठाया। छोला मंदिर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चीफ इंजीनियर रिटायर होने से अटका जीएमसी हॉस्टल का रेनोवेशन

एक माह पहले मिले 3.5 करोड़ रुपए; जूडा बोले- 50 साल पुराने भवन अब रहने लायक नहीं

भोपाल (नप्र)। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के छह बॉयज हॉस्टल 50 साल से भी ज्यादा पुराने हो चुके हैं। यहां रहने वाले छात्रों को सीलन, गिरते प्लास्टर और जर्जर ढांचे से लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। बीते दो साल से छात्र इन समस्याओं को उठा रहे हैं। स्थिति को देखते हुए जीएमसी प्रबंधन ने चिकित्सा शिक्षा विभाग से बजट की मांग की थी।

विभाग ने हॉस्टल रेनोवेशन के लिए 3.5 करोड़ रुपए स्वीकृत भी किए और इंजीनियरों की टीम ने निरीक्षण कर काम शुरू करने की तैयारी कर ली थी। लेकिन, इसी बीच चीफ इंजीनियर रिटायर हो गए और प्रोजेक्ट ठप पड़ गया।

अब बारिश के बाद होगा काम- जी एमसी की डीन डॉ. कविता एन. सिंह ने बताया कि संस्थान की ओर से कोई देरी नहीं हुई है। जैसे ही चीफ इंजीनियर की नियुक्ति होगी, रेनोवेशन प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। हालांकि बरसात को देखते हुए अब काम बारिश के बाद ही शुरू करने की योजना है, ताकि काम के बीच कोई व्यवधान न आए।

1500 से ज्यादा छात्रों पर असर

जीएमसी में एमबीबीएस के चार बैचों में करीब 1000 और पीजी के तीन बैचों में लगभग 500 विद्यार्थी पढ़ते हैं। कुल मिलाकर डेढ़ हजार छात्र कॉलेज से जुड़े हैं, लेकिन हॉस्टल की संख्या कम होने के कारण सभी को सुविधा नहीं मिल पाती। मजबूरी में कई विद्यार्थियों को बाहर किराए पर रहना पड़ता है।

हॉस्टल की प्रमुख समस्याएं

साफ-सफाई का अभाव, गंदे कमरे और शौचालय
दरकी दीवारें, सीलन, लीकेज और खराब फर्नीचर
जर्जर ढांचा, 50 साल से भी पुराना स्ट्रक्चर
बिजली की खराब वायरिंग, हादसे का खतरा
मच्छर व गंदगी से डेंगू-मलेरिया का डर
सुरक्षा व्यवस्था कमजोर, बाहरी लोगों की आवाजाही।

जूडा- 50 साल पुराने भवन अब रहने लायक नहीं

जुडा अध्यक्ष डॉ. कुलदीप गुप्ता ने कहा कि हॉस्टल 50 साल पुराने और बेहद जर्जर हो चुके हैं। यहां रहना मुश्किल है, लेकिन विकल्प न होने से छात्र मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। पीजी सीटें बढ़ने के बाद नए हॉस्टल की भी सख्त जरूरत है। गांधी मेडिकल कॉलेज का छात्रावास अब रहने लायक नहीं बचा है।